सर्वभूतहिते रताः

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

डा० आर० एस० टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी
नैनीताल

वार्षिक प्रतिवेदन

2023–24

डा0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी,
नैनीताल
फोन : 05942–235011 / 236149 / 236068
ईमेल – directoracademy@hotmail.com

अनुक्रमणिका

1. महानिदेशक की कलम से.... i-vi

2. डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल 1—40

I. अकादमी : एक परिचय

II. अकादमी की विभिन्न संगठनात्मक इकाईयाँ/अनुभाग
(1) पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र
(2) कम्प्यूटर अनुभाग
(3) दृश्य—श्रृव्य अनुभाग
(4) स्टोर अनुभाग
(5) परिसर अनुभाग
(6) प्रशिक्षण समन्वय इकाई
(7) अकादमी ऑफिसर्स मैस, अतिथि गृह तथा छात्रावास
(8) प्रशिक्षण कक्ष तथा प्रेक्षागृह
(9) क्रीड़ा एवं खेलकूद

III. अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियाँ तथा अन्य विवरण

IV. विभागीय परीक्षाएँ

V. विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं से संकाय विनिमय कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग (MoU)

VI. मिशन कर्मयोगी एवं कॉमिट

VII. बोर्ड आफ गवर्नर्स की बैठक का कार्यवृत्त

VIII. अकादमी बजट—2023—24—संक्षिप्त विवरण

3. आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ 41—46

4. सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स 47—68

(1) प्रोजेक्ट प्लानिंग एण्ड परफॉरमेन्स बजटिंग प्रकोष्ठ
(2) ई—गवर्नेन्स प्रकोष्ठ
(3) प्रलेखन एवं समन्वय प्रकोष्ठ
(4) की—रिसोर्स सेन्टर, पेयजल एवं स्वच्छता प्रकोष्ठ
(5) जेन्डर इश्यूज प्रकोष्ठ

5. राज्य शहरी विकास संस्थान 69—75

6. प्रशिक्षण गतिविधियों का चार्ट निरूपण 77—82

7. अकादमी में कार्यरत संकाय सदस्यों का विवरण 83—93

8. प्रशिक्षण गतिविधियों की कुछ झलकियाँ 95—135

महानिदेशक की कलम से.....

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023–24 आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है। उत्तराखण्ड शासन द्वारा 'डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' को राज्य के शीर्षस्थ संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। वर्तमान समय में अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में प्रशिक्षण के माध्यम से ज्ञान, कौशल एवं गुणवत्ता विकास हेतु निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि, उत्तराखण्ड शासन की प्राथमिकताओं एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत कार्यरत् अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यक्षेत्र में दक्ष बनाने के उद्देश्य के साथ अकादमी में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों व अन्य गतिविधियों को तद्नुसार निरन्तर बेहतर किए जाने के प्रयास अकादमी स्तर पर किये जा रहे हैं, जिससे कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सार्थक बनाया जा सके।

वर्ष 2023–24 में अकादमी, डी0एम0सी0, सी0जी0जी0 तथा राज्य शहरी विकास संस्थान के अन्तर्गत कुल 214 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तराखण्ड एवं देश के कुल 8459 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इसमें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा उत्तराखण्ड सरकार के विभिन्न विभागों सहित राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, शहरी विकास मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित हैं।

वर्ष 2023–24 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली के सौजन्य से राज्य के अधिकारियों के लिए राज्य श्रेणी प्रषिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत विविध विषयों पर कुल 13 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें 329 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा प्रशिक्षक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 7 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें 113 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

आलोच्य वर्ष में अकादमी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के उत्तराखण्ड संवर्ग के 3 अधिकारियों के लिए 21वॉ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भारतीय वन सेवा के उत्तराखण्ड संवर्ग के 2 अधिकारियों के लिए 13वॉ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय पुलिस सेवा के उत्तराखण्ड संवर्ग के 01 अधिकारी के लिए छः दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य के समूह 'ख' तथा 'ग' के समस्त ऐसे अधिकारियों/कार्मिकों जिनके द्वारा सेवा में प्रवेश के समय किसी भी प्रकार का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया गया है के लिए एक माह का अनिवार्य सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पूर्व से सेवारत् अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मिड कैरियर प्रशिक्षण उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के माध्यम से आयोजित किये जाने हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी शासनादेश संख्या : 450/ XXX (2)/2014 दिनाँक : 3 नवम्बर, 2014 के संदर्भ में सेवा प्रवेश प्रशिक्षण तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु अकादमी निरन्तर प्रयासरत् है। इस क्रम में राजपत्रित श्रेणी के अंतर्गत अकादमी में आयोजित किए जाने वाले सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संदर्भ में आलोच्य वर्ष में नव–नियुक्त चिकित्साधिकारियों को समस्त आवश्यक प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य विषयों के सन्दर्भ में ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि के लिए राजपत्रित श्रेणी में 48वॉ, 49वॉ तथा 50वॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण तथा पशु–चिकित्साधिकारियों के लिए 51वॉ व 52वॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण आयोजित किया गया, साथ ही में अराजपत्रित श्रेणी के अंतर्गत 54वाँ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम लोक निर्माण विभाग के अवर अभियन्ताओं के लिए आयोजित किया गया।

अकादमी द्वारा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार को विभिन्न Thematic प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रस्ताव प्रेषित करती है, जो कि सीमित मात्रा में अनुमोदित किये जाते हैं। इस वर्ष अकादमी द्वारा राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्प अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम यथा वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंध, नेतृत्व एवं समय प्रबंधन, अभिप्रेरण, ईमोशनल इन्टैलिजेन्स, मैडिको लीगल इश्यू, डिजिटल लिटरेसी, ई–गवर्नेन्स, सेवोत्तम, सिटिजन

चार्टर एवं माँग आधारित अन्य विषयों पर 3 दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया था। उक्त के क्रम में अकादमी द्वारा इस वर्ष राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए 13 विभिन्न Thematic प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा जनपद स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, ताकि कम संसाधनों में अधिक से अधिक अधिकारियों/कार्मिकों को प्रषिक्षण का लाभ प्रदान किया जा सके। आलोच्य वर्ष 2023–2024 में उत्तराखण्ड राज्य के राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु राज्य के कुल 12 जिलों में 24 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आलोच्य वर्ष में अकादमी द्वारा 53 सहायक अभियोजन अधिकारियों के लिए 15 दिवसीय तथा 35 नायब तहसीलदारों के लिए 12 दिवसीय विशेष आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। अधिकारियों के लिए विभागीय परीक्षाओं का भी आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

अकादमी में स्थापित आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ मुख्यतः दैवीय आपदाओं के संबंध में सूचनाओं का संकलन, डॉक्यूमेंटेशन, आपदा प्रबन्धन के सम्बन्ध में एक्शन प्लान का निर्धारण, पूर्व तैयारी, जागरुकता तथा प्रशिक्षण, कन्सलटेन्सी, शोध तथा क्षमता विकास इत्यादि का कार्य कर रहा है। आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा इस वर्श कुल 20 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से 2 राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा इस वर्ष कुल 1026 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत स्वायत्तशासी संस्था के रूप में स्थापित सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, अकादमी के मार्ग निर्देशन में सुशासन एवं सतत् विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्श सेवायें प्रदान करने का कार्य करता है। सेंन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत शहरी विकास प्रकोष्ठ तथा राज्य शहरी

विकास संस्थान द्वारा कुल 15 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें कुल 648 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राज्य नगरीय विकास संस्थान के अन्तर्गत शोध कार्य हेतु उत्तराखण्ड के पॉच शहरों– नैनीताल, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, चम्पावत एवं पौड़ी के लिये पानी की व्यवस्था, यातायात व्यवस्था एवं ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन पर आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिये Pre Study कार्यशालाओं का आयोजन किया गया एवं उसके उपरांत Post Study से संबंधी डाटा संकलन का कार्य प्रगति पर है।

सेंन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत की–रिसोर्स सेंन्टर द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता जल जीवन मिशन, भारत सरकार एवं सी0पी0पी0जी0जी0 के सहयोग से कुल 20 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें कुल 504 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस इकाई द्वारा अकादमी परिसर के साथ–साथ छत्तीसगढ़, मेघालय, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, बिहार हिमांचल प्रदेश इत्यादि प्रदेशों में भी जाकर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सेंन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत विभिन्न विभागों द्वारा मांग आधारित कुल 23 तथा जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ द्वारा 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत कुल 9 तथा स्थापित ई–गवर्नेन्स इकाई द्वारा इस वर्ष कुल 6 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

भारत सरकार द्वारा संचालित की जा रही मिशन कर्मयोगी परियोजना हेतु प्रदेश सरकार द्वारा अकादमी को नोडल के रूप में नामित किया गया है। इस परियोजना के अन्तर्गत iGoT Platform पर प्रदेश के विभिन्न विभागों को ऑनबोर्ड कराने तथा विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों को उपलब्ध प्रशिक्षण सामग्री से लाभान्वित कराया जाना है। इस दिशा में अकादमी द्वारा निरन्तर प्रयास करते हुये विभिन्न विभागों को ऑनबोर्ड कराया जा रहा है। मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत संचालित की जा रही COMMIT परियोजना के माध्यम से कटिंग ऐज स्तर के कार्मिकों को 15 मॉड्यूल पर प्रशिक्षित किये जाने की व्यवस्था उपलब्ध है। भारत सरकार के सहयोग से वर्ष 2023–24 में प्रदेश के 2000 कार्मिकों को प्रशिक्षित किये जाने का लक्ष्य रखा गया था,

जिसके क्रम में प्रदेश के पुलिस विभाग के कार्मिकों को प्रशिक्षित कराया गया। वर्ष 2023–24 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सौजन्य से राज्य के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए COMMIT परियोजना के अन्तर्गत कुल 45 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसमें कुल 2000 अधिकारियों/कर्मचारियों को ऑन–लाईन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के क्रियान्वयन में समानान्तर रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके क्रम में अकादमी में मिशन कर्मयोगी सेल की स्थापना की गयी है। अकादमी द्वारा राज्य के विभिन्न विभागों को i-GOT Portal पर ऑनबोर्ड कराया जा रहा है।

प्रदेश के कार्मिकों हेतु E-Learning सुविधा विकसित करने के उद्देश्य से iGoT Platform के अतिरिक्त अकादमी द्वारा NeGD Platform पर Learning Management System (LMS) भी तैयार किया गया है, जिस पर लगभग 443 से अधिक प्रशिक्षण सामग्री उपभोग हेतु उपलब्ध है। इस पोर्टल पर निरन्तर नई प्रशिक्षण सामग्री को उपलब्ध कराने की दिशा में अकादमी प्रयासरत है। इस पोर्टल हेतु अकादमी द्वारा अपने प्रयासों से 41 विभिन्न विषयों पर ऑडियो–वीडियो मॉड्यूल विकसित कर अपलोड किये जा चुके हैं। प्रदेश के 1037 से अधिक कार्मिक इस पोर्टल पर पंजीकृत हो प्रशिक्षण सामग्री से लाभान्वित हो रहे हैं।

आलोच्य वर्ष में अकादमी पुस्तकालय प्रशिक्षुओं, संकाय अधिकारियों तथा सुधी पाठकों को समान्य पुस्तकालय सेवाओं के साथ–साथ डिजिटल प्रलेखों तथा वेब आधारित पाठ्य सामग्री के उपयोग की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अकादमी पुस्तकालय में विद्यमान लगभग 1000 से अधिक दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण प्रलेख के डिजिटाईज़ेशन का कार्य दिनांक 14 फरवरी, 2024 से गतिमान है। आलोच्य वर्ष में अकादमी पुस्तकालय प्रशिक्षुओं, संकाय अधिकारियों तथा सुधी पाठकों को अध्ययन की सुविधा को विस्तारित करते हुए एक अतिरिक्त अध्ययन कक्ष का निर्माण किया गया है।

प्रकाशन किसी भी संस्था का एक महत्वपूर्ण कार्य होता है। इस दिशा में भी अकादमी द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में अकादमी द्वारा मासिक न्यूज लैटर "अकादमी

न्यूज़" माह जून 2023 से मार्च, 2024 तक 09 अंक प्रकाशित किये गये। इसके अलावा अकादमी द्वारा प्रकाशित होने वाली त्रैमासिक पत्रिका "वैचारिकी" दिसम्बर, 2023 तक कुल 03 अंक प्रकाशित किये गये है।

अन्त में, मैं अकादमी के समस्त संकाय सदस्यों, प्रशिक्षण समन्वय इकाई (टी0सी0यू0) की टीम तथा अन्य विभिन्न इकाईयों की टीमों की विशेष रूप से सराहना करना चाहूँगा जिनके प्रयासों से वर्ष 2023–24 में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन एवं तत्संबंधित व्यवस्थाओं का सफल सम्पादन हो सका। प्रशिक्षण समन्वय इकाई के सत्त प्रयासों से ही यह वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24 प्रकाशित होना सम्भव हो सका है। इसके लिए मैं अकादमी के समस्त संकाय सदस्यों एवं कार्मिकों को साधुवाद करना चाहूँगा। आशा करता हूँ कि, वर्ष 2024–25 में भी 'डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' राज्य की अपेक्षाओं के अनुरूप नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर अपनी उत्कृष्टता को मानकों के अनुसार स्थापित करने में सक्षम हो सकेगी तथा अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य की प्राथमिकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुसार प्रशिक्षण को राज्य में एक नवीन दिशा एवं प्राथमिकता प्रदान करने में विशेष योगदान सतत् रूप से दिया जाता रहेगा।

'हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

बी.पी. पाण्डेय
महानिदेशक

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल

अकादमी : एक परिचय

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी परिसर का बहुत रोचक एवं गौरवपूर्ण इतिहास है। सन् 1951 में ''अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल'' के नाम से इलाहाबाद में स्थापित इस संस्थान को जब सन् 1971 में नैनीताल के शान्त एवं सुरम्य वातावरण में लाने का निर्णय लिया गया तब आर्डवैल (उच्चस्थ नगर–High Town) कैम्प परिसर को इस संस्थान की स्थापना के लिए चुना गया। आर्डवैल कैम्प में निर्मित बैरेकें द्वितीय विश्वयुद्ध के समय रॉयल एयरफोर्स के अधिकारियों के अस्थायी आवास के लिए निर्मित किए गए थे। ब्रिटिश अधिकारियों, सिपाहियों के अतिरिक्त इन बैरेकों में अमेरिकन अधिकारी भी रहते थे। आर्डवैल कोठी जो कि आज महानिदेशक आवास है, स्वतंत्रता से पूर्व कुमाऊँ कमिश्नर का आवास हुआ करती थी। आर्डवैल प्रांगण में बैरेक्स और क्वार्टरों के साथ एक हॉल का निर्माण किया गया था (वर्तमान बैटमिंटन एवं टी.टी. हॉल) जो अंग्रेज फौजियों को अंग्रेजी चलचित्र दिखाने के लिये काम में आता था, साथ ही आवश्यकता पड़ने पर डोरमेटरी के रूप में भी इसका प्रयोग होता था। दिनाँक 15 मई, 1947 से दिनाँक 6 जून, 1947 तक संयुक्त प्रान्त लेजिसलेटिव असेम्बली की 16 बैठकें आर्डवैल हॉल में आयोजित हुई थी। डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी परिसर में स्थित आर्डवैल हॉल में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व आयोजित संयुक्त प्रान्त लेजिससेटिव असेम्बली की बैठकों के पदाधिकारी के रूप में अध्यक्ष माननीय श्री पुरुषोत्तम दास टण्डन, उपाध्यक्ष श्री नफीसुल हसन, सचिव श्री कैलाश चन्द्र भटनागर इत्यादि कई अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यक्तियों द्वारा भाग लिया गया था।

अकादमी की स्थापना वर्ष 1951 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तर प्रदेश संवर्ग) तथा राज्य सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए इलाहाबाद में 'अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल (ओ.टी.एस.)' के रूप में की गयी। वर्ष 1958 में इस स्कूल में प्रादेशिक न्यायिक सेवा के अधिकारियों के लिए भी व्यावसायिक प्रशिक्षण आरम्भ किया गया। वर्ष 1961 तक स्कूल में प्रान्तीय सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए नियमित रूप

से प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। परन्तु वित्तीय कठिनाइयों के कारण वर्ष 1961 में स्कूल की गतिविधियाँ तात्कालिक रूप से स्थगित कर दी गयीं।

वर्ष 1971 में पुनः अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल को नैनीताल के वर्तमान परिसर में स्थापित कर दिया गया. नैनीताल में आयुक्त स्तर के अधिकारी को इस स्कूल का पूर्णकालिक प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया। वर्ष 1974 में स्कूल के नाम को परिवर्तित कर 'प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान' कर दिया गया। वर्ष 1976 से संस्थान के विभिन्न पदों के पदनाम भी बदल दिये गये। संस्थान में अब निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक तथा सहायक निदेशक नियुक्त किये गये। प्रशिक्षण के बदलते स्वरूप एवं संस्थान की बढ़ती हुई गतिविधियों को देखते हुए वर्ष 1988 में इसे प्रदेश का शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान घोषित किया गया तथा संस्थान की बढ़ती गतिविधियों एवं बदलते लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए इसका नाम परिवर्तित करते हुए इसे 'उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी' कर दिया गया।

9 नवम्बर, 2000 को उत्तराखण्ड के रूप में नए राज्य का गठन हुआ। राज्य गठन के पश्चात यह 'उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी' के रूप में स्थापित है एवं उत्तराखण्ड राज्य की शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्था के रूप में अपने दायित्वों को पूर्ण कर रही है। वर्तमान में अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अकादमी वर्तमान में सम्मिलित राज्य सेवा के अधिकारियों हेतु आधारभूत/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा), भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग), भारतीय वन सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग) के अधिकारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रही है। इनके अतिरिक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.), भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) तथा भारत सरकार व प्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए सेवाकालीन तथा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

उत्तराखण्ड राज्य द्वारा उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित सभी अधिकारियों के लिए एक माह का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है। सेवा प्रवेश प्रशिक्षण का उद्देश्य उत्तराखण्ड राज्य की चुनौतियों तथा अवसरों के बारे में नव–नियुक्त अधिकारियों को अद्यतन सूचना से अवगत कराना तथा उनमें प्रबन्धकीय कौशल का विकास करना है, जिससे वे अपने–अपने क्षेत्रों में गुणात्मक सेवाएँ प्रदान कर

सकें, तथा उनमें उत्तराखण्ड राज्य की सामाजिक–आर्थिक, साँस्कृतिक एवं राजनीतिक व्यवस्थाओं के संदर्भ में उचित समझ विकसित हो सके। अकादमी द्वारा राज्य के अधिकारियों के क्षमता विकास हेतु अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिससे वह सुयोग्य, व्यावसायिक एवं प्रतिबद्धतापूर्ण लोक सेवक के रूप में राज्य के विकास में सहयोग दे सकें। अकादमी द्वारा कई ऐसे विभागों के लिए भी क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिनके पास संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित करने की सुविधाएँ नहीं हैं या कार्मिकों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण सीमित संसाधनों से प्रशिक्षण की व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं।

अकादमी द्वारा प्रशिक्षण प्रभाग, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड राज्य के अधिकारियों हेतु विभिन्न सामयिक विषयों एवं क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वर्तमान स्थितियों के सापेक्ष प्रशिक्षण की आवश्यकता के दृष्टिगत अकादमी द्वारा प्रशिक्षक कौशल विकसित करने में सहायक कार्यक्रम जैसे Direct Trainer Skills, Design of Training, Evaluation of Training, Mentoring Skills एवं Management of Training इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है।

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ का गठन कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी, नैनीताल में राज्य स्तर की इकाई के रूप में वर्ष 1995 में किया गया था। 09 नवम्बर, 2000 को उत्तराखण्ड के रूप में नए राज्य का गठन हुआ। राज्य के अधिकतर क्षेत्र भूकम्पीय जोन में होने के कारण शासन स्तर से आपदा प्रबन्ध एवं न्यूनीकरण केन्द्र की स्थापना की गई थी इसलिए यह केन्द्र भी देहरादून में आपदा प्रबन्ध एवं न्यूनीकरण केन्द्र में ही सम्मिलित कर लिया गया था। परन्तु उद्देश्यों में अन्तर होने की वजह से पुनः प्रमुख सचिव, आपदा प्रबधंन एवं पुर्नवास अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन के दिनांक 30 जून 2006 के आदेश के अनुपालन में जुलाई 2006 में आपदा प्रबन्ध प्रकोष्ठ पुनः उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में स्थापित किया गया। आपदा प्रबन्ध प्रकोष्ठ का कार्य मुख्यतः दैवी आपदाओं के सम्बन्ध में सूचनाओं का संकलन, डॉक्युमेन्टेशन, आपदा प्रबन्ध के सम्बन्ध में एक्शन प्लान का निर्धारण, पूर्व तैयारी, जागरुकता तथा प्रशिक्षण, कन्सलटेन्सी, शोध तथा क्षमता विकास इत्यादि को सम्पादित करना हैं।

अकादमी का मुख्य परिसर आर्डवैल कैम्प, मल्लीताल, नैनीताल में स्थित है। संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में अकादमी में मुख्य सचिव स्तर के आई.ए.एस. अधिकारी, महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जिन्हें विभागाध्यक्ष के समस्त अधिकार प्राप्त हैं। आलोच्य वर्ष में अकादमी में विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ अकादमी संकाय सदस्यों के रूप में राज्य सिविल सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त निदेशक के रूप में, व विषय विशेषज्ञ एवं राज्य सेवा के अधिकारी उप–निदेशक/सहायक निदेशक के रूप में कार्यरत रहे। अकादमी में कार्यरत संकाय सदस्यों को अपने–अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता एवं पर्याप्त अनुभव प्राप्त है।

Our Vision

To become a self-sustaining, proactive and leading organisation-offering quality capacity building (training and advisory) service in the field of public administration and development initiatives in a competitive environment.

Our Mission

We work for the capacity building of civil servants, professionals, development functionaries and elected people's representatives.

हमारी संकल्पना

हम लोक प्रशासन एवं विकास में संलग्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों के क्षमता विकास के क्षेत्र में (प्रशिक्षण एवं परामर्श) सेवाएँ प्रदान करने वाली एक आत्मनिर्भर, अग्रणी एवं उत्कृष्ट संस्था बनने की संकल्पना करते हैं।

हमारा ध्येय

हम लोक सेवकों, व्यावसायिकों, विकास कार्मिकों एवं जन–प्रतिनिधियों में कुशल कार्य निष्पादन हेतु क्षमता विकास का कार्य करते हैं।

अकादमी की विभिन्न

संगठनात्मक इकाईयाँ/अनुभाग

पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र

पुस्तकों के माध्यम से मानव अपने दृष्टिकोणों, विचारों, कल्पनाओं एवं अनुभवों तथा स्वप्नों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संम्प्रेषित करता है। बौद्धिक एवं साहित्यिक अभिवृद्धि के आधार से पुस्तकालय भविष्य का निर्माण का एक सोपान हैं। ये अतीत की कड़ी होने के साथ ही वर्तमान से भविष्य की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करता है। पुस्तकालय जैसी संस्था वर्तमान प्रजातंत्रीय युग की एक अभूतपूर्व देन है। किसी भी संस्था के सर्वांगीण विकास का आधार साक्षरता तथा शिक्षा का प्रसार है, किसी भी देश अथवा प्रदेश की सामाजिक, राजनैतिक, बौद्धिक और आर्थिक स्तर को समृद्ध करने में पुस्तकालयों का अपना एक महत्वपूर्ण योगदान होता है। पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र किसी भी संस्था की महत्वपूर्ण इकाई होती है। पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र में प्रशिक्षण, शोध तथा विभिन्न विषयों से संबंधित प्रलेखों का संकलन हाने के साथ संस्थान में होने वाली समस्त अकादमिक गतिविधियों का लेखा–जोखा भी, प्रलेखन कार्य के रूप में करते हुए सुरक्षित रखा जाता है।

अकादमी पुस्तकालय को अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक के अलावा आई.एम. एफ., आई.एल.ओ., यूनाइटेड नेशन्स, आई.सी.मोड के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं से उनके प्रकाशन निःशुल्क प्राप्त होते हैं। अकादमी पुस्तकालय का उपयोग प्रतिवर्ष लगभग 3,000 से 4,000 के मध्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा विशिष्ट पाठकों द्वारा किया जाता है। अकादमी का पुस्तकालय पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत है।

आलोच्य वर्ष में अकादमी पुस्तकालय प्रशिक्षुओं, संकाय अधिकारियों तथा सुधी पाठकों को समान्य पुस्तकालय सेवाओं के साथ–साथ डिजिटल प्रलेखों तथा वेब आधारित पाठ्य सामग्री के उपयोग की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अकादमी पुस्तकालय में विद्यमान लगभग 1000 से अधिक दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण प्रलेखों के डिजिटाईज़ेशन का कार्य दिनांक 14 फरवरी, 2024 से गतिमान है। आलोच्य वर्ष में अकादमी पुस्तकालय प्रशिक्षुओं, संकाय अधिकारियों तथा सुधी पाठकों को अध्ययन की सुविधा को विस्तारित करते हुए एक अतिरिक्त अध्ययन कक्ष का निर्माण किया गया है। पुस्तकालय प्रातः 09:00 से सायंकाल 05:00 बजे तक नियमित रूप से पाठकों के ज्ञानार्जन हेतु खोला जाता है।

दिनांक 24 मई 2023 को माननीय श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड, ले0ज0 (से0नि0) गुरमीत सिंह द्वारा अकादमी पुस्तकालय भ्रमण के दौरान अकादमी पुस्तकालय को 108 पुस्तकें उपहार स्वरूप प्रदान करने की घोषणा की गई, उक्त घोषणा के अनुपालन में अकादमी पुस्तकालय द्वारा 108 पुस्तकें क्रय की गई।

दिनाँक 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष में अकादमी पुस्तकालय में प्रलेखों तथा जिल्दबन्द पत्रिकाओं को शामिल करते हुये कुल 96398 प्रलेख अभिलेखों में दर्ज हैं तथा वित्तीय वर्ष 2023–2024 में ई.जी. के 153 हिन्दी के 72 बाउण्ड पत्रिकाओं के 44 सहित कुल 269 प्रलेखों की वृद्धि हुई। अकादमी पुस्तकालय में अपनी स्थापना वर्ष 1972 से लेकर 31 मार्च 2024 तक कटी–फटी तथा निप्रयोज्य, गतावधिक पुस्तकों को समय–समय पर पुस्तकालय से खरिज करने की कार्यवाही की जाती रही है। इस प्रकार अभी तक कुल 22,520 पुस्तकें संग्रह से खारिज की जा चुकी हैं।

1.	परिग्रहण पंजिका अंग्रेजी	EG	41694
2.	परिग्रहण पंजिका हिन्दी	H	14547
3.	परिग्रहण पंजिका लॉ	EL	16085
4.	जिल्द बन्द लॉ जर्नल्स	BLJ	2500
5.	जिल्द बन्द पत्रिकाएं	BP	2845
6.	विश्व बैंक प्रकाशन	WB	8182
7.	परिग्रहण पंजिका	CD	635
8.	परिग्रहण पंजिका	DP	4491
9.	सी.डी. रिपोर्ट्स	CDR	1402
10.	डिजिटल प्रलेख	-	1407
11.	सी.डी. रोम्स	-	2300
12.	अकादमी प्रकाशन	-	310
कुल योग			**96398**

पुस्तकों की खोज में पाठकों को आसानी हो इसके लिए पुस्तकालय में प्रत्येक पुस्तक का बारकोड भी तैयार कर पुस्तक पर लगाया जा रहा है। अकादमी पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र के प्रयोग हेतु अकादमी में कार्यरत समस्त संकाय अधिकारी, प्रशिक्षणार्थी अधिकारी तथा कर्मचारी सदस्यता का पंजीकरण करवा सकते हैं।

पुस्तकालय के अभिलेखों के वर्गीकरण एवं सूचीकरण के कार्य कम्प्यूटर के माध्यम से सम्पादित किया जा रहा है। वर्गीकरण के लिए Dewey Decimal Classification DDC-22 and 23rd Edition एवं सूचीकरण के लिए AACR-II का प्रयोग किया जा रहा है। अकादमी पुस्तकालय लैन के माध्यम से जुड़ा हुआ है। दिनाँक 31 मार्च, 2024 तक प्राप्त सभी प्रलेखों को वर्गीकृत कर कम्प्यूटर में दर्ज कर दिया गया है।

आलोच्य वर्ष 2023–24 में प्रशिक्षुओं को डिजिटल प्रलेखों के साथ–साथ ई–मेल और वेब आधारित अन्य पाठ्य सामग्री के उपयोग की सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। लगभग 400 से अधिक डिजिटल प्रलेखों के साथ–साथ आईसीमोड, विश्व बैंक की ई–लाईब्रेरी, निःशुल्क डिज़िटल लाईब्रेरी–प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग, डिज़िटल लाईब्रेरी ऑफ इण्डिया इत्यादि के निःशुल्क लगभग 1.00 लाख से अधिक डिजिटल प्रलेखों को प्राप्त एवं प्रयोग करने की सुविधा प्रदान की गई है। अकादमी पुस्तकालय द्वारा Economic and Political Weekly Journal-Online and Offline subscription के साथ–साथ 5 वर्षों के डाटाबेस के उपयोग की सुविधा भी पाठकों के लिए उपलब्ध करवाई जा रही है।

कम्प्यूटर अनुभाग

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में लगभग सभी अनुभागों में कम्प्यूटर का प्रयोग दिन–प्रतिदिन के कार्यों में किया जा रहा है। स्टोर, लेखा, अधिष्ठान, मैस, पुस्तकालय एवं प्रशिक्षण इत्यादि सभी अनुभागों में कम्प्यूटर की व्यवस्था एवं देखभाल इस अनुभाग द्वारा किया जाता है। कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट का रखरखाव भी इस अनुभाग की देख–रेख में किया जाता है।

कम्प्यूटरीकरण की दिशा में अकादमी पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र का सम्पूर्ण कम्प्यूटरीकरण, स्टोर तथा लेखा अनुभाग के कम्प्यूटरीकरण की दिशा में काफी प्रगति हुई है। वर्तमान में अकादमी परिसर के प्रत्येक कार्यालय एवं प्रशिक्षण कक्ष में कम्प्यूटर स्थापित किये गये हैं। इस समय अकादमी के में लगभग 120 आधुनिक कम्प्यूटर व अन्य संबंधित उपकरण स्थापित हैं, साथ ही कम्प्यूटर संबंधी विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए चौखम्बा भवन के द्वितीय तल पर आधुनिकतम सुविधायुक्त कम्प्यूटर लैब व्यवस्थित है। कम्प्यूटर लैब में 20 कम्प्यूटर्स स्थापित किये गये हैं।

कम्प्यूटर लैब में जी.आई.एस. हेतु अत्याधुनिक उच्च श्रेणी के जी.आई.एस. वर्क स्टेशन स्थापित किये गये हैं, जिन पर जी.आई.एस. प्रशिक्षण सम्पादित किया जा रहा है। अकादमी के सभी कम्प्यूटर्स लोकल एरिया नेटवर्क के माध्यम से परस्पर जुड़े हुए हैं जिनमें इन्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। अकादमी के अतिथि गृह तथा छात्रावासों में इन्टरनेट सुविधा से युक्त कम्प्यूटर्स अतिथि वार्ताकारों एवं प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को उपलब्ध करवाये गए हैं।

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा राज्य सरकार तथा भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। अकादमी में आयोजित किये जाने वाले आधारभूत/व्यावसायिक/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कम्प्यूटर प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। अकादमी परिसर को पूर्णरूप से वाई–फाई से सुविधा उपलब्ध कराई गई है, साथ ही अकादमी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अकादमी परिसर को पूर्णरूप से सी.सी.टी.वी. कैमरों के माध्यम से मांनीटर किया जा रहा है।

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा अकादमी में आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित विडियो कान्फ्रेन्सिंग व्यवस्था स्थापित की गई है। जिसमें NIC तथा Cloud आधारित साफ्ट्वेयरों के माध्यम से विडियो कान्फ्रेन्सिंग सुविधा दी जा रही है। चर्चा कक्षों एवं संकाय सदस्यों को भी विभिन्न साफ्टवेयरों के माध्यम से विडियो कान्फ्रेन्सिंग कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा ही संचालित कराई जाती हैं।

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा अकादमी में विभिन्न स्थलों पर स्थापित Signages का भी रखरखाव किया जाता है जिसके माध्यम से सूचनाऐं एवं चित्र का 24x7 प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को लाभान्वित एवं अद्यतन किया जाता है।

दृश्य–श्रृव्य अनुभाग

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए चर्चा कक्षों में उपयुक्त वातावरण तैयार करने तथा दृश्य–श्रव्य उपकरणों की व्यवस्था करने के लिए अकादमी में दृश्य–श्रव्य अनुभाग की स्थापना की गई है। इस अनुभाग के माध्यम से अकादमी में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य गतिविधियों का चित्रांकन/रिकार्डिंग आदि कर सी0डी0 के रूप में सुलभ सन्दर्भ हेतु संकलित किया जाता है।

स्टोर अनुभाग

अकादमी के स्टोर अनुभाग द्वारा अकादमी के विभिन्न पटलों/अनुभागों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु मांग आधारित सामग्री का क्रय कर उपलब्ध कराया जाता है। स्टोर की स्थापना से प्राप्त एवं निगर्त की जाने वाली सामग्री की सूचना रिजिस्टरों एवं पत्रावलियों में रखे जाने की व्यवस्था लागू थी। वर्ष 2023–2024 मे अकादमी द्वारा स्टोर की सामग्री से संबंधित डाटा को कम्प्यूटरीकृत रूप से संग्रह करने की दिशा मे कार्य किया गया, जिसके अन्तर्गत स्टोर विभाग हेतु मल्टी यूजर सॉफ्टवेयर का क्रय तथा उसमें अकादमी की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुये वांछित परिवर्तन कराये गये। अकादमी द्वारा अपने कार्मिकों को स्थापित किये गये सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर विस्तृत प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल विकसित कराया गया। सॉफ्टवेयर स्थापना के पश्चात् से स्टोर अनुभाग द्वारा अपने समस्त डाटा को सॉफ्टवेयर पर संग्रह किया जा रहा है तथा सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही विभिन्न प्रकार की वांछित रिर्पोटों को भी मुद्रित किया जा रहा है।

परिसर अनुभाग

परिसर अनुभाग अकादमी की समस्त चल–अचल सम्पत्तियों, आवासीय एवं अनावासीय भवनों का रख–रखाव तथा परिसर के सौंदर्यकरण एवं साफ–सफाई के लिए प्रतिबद्ध है। परिसर अनुभाग अकादमी में समस्त लघु एवं वृहत निर्माण कार्यों की समीक्षा एवं मूल्यांकन के लिए उत्तरदायी है। आलोच्य वर्ष में अकादमी परिसर का नया गेट तथा बाउंड्री वाल का निर्माण एवं बैडमिन्टन हाल का निर्माण इसके अतिरिक्त अकादमी परिसर में क्लाइम्बिग वाल का निर्माण भी कराया गया है। क्लाइम्बिंग वाल उद्घाटन महामहीम श्री राज्यपाल उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 24 मई, 2023 को किया गया।

प्रशिक्षण समन्वय इकाई

प्रशिक्षण समन्वय इकाई का मुख्य उद्देश्य अकादमी के विभिन्न संकाय एवं सी.जी. जी. के विभिन्न प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिटस के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना है, जिससे कि आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों को सफल बनाया जा सके। प्रशिक्षण समन्वय यूनिट द्वारा प्रशिक्षार्थी अधिकारियों की सुविधा हेतु प्रत्येक गतिविधि आयोजन के एक माह पूर्व योजना निर्धारित की जाती है। इस योजना

को क्रियान्वित करने हेतु एक सूचना–पत्र जिसे **'विन्डो कैलेण्डर'** कहा जाता है, को प्रस्तावित गतिविधियों का विवरण सप्ताहान्त में निर्गत किया जाता है, इस सूचना के माध्यम से स्वागत, मैस, छात्रावास, दृश्य–श्रव्य, क्रीड़ा इत्यादि टीम लीडरों से यह अपेक्षा की जाती है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम अथवा सम्बन्धित गतिविधियों के आयोजन से सम्बन्धित समस्त तैयारियों को समय से पूर्ण कर लें।

'वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर' एवं 'वार्षिक प्रतिवेदन' का लेखन, डिजाइन एवं प्रकाशन का समस्त कार्य प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा किया जाता है। प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा प्रतिभागियों की आवासीय व्यवस्था, चर्चा कक्षों की व्यवस्था तथा उससे जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं का समन्वय एवं आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्बन्धित कार्यक्रम निदेशकों के मध्य समन्वय स्थापित करने का कार्य भी किया जाता है, जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा चर्चा कक्षों का आवंटन, छात्रावास की स्थिति तथा कार्यक्रमों के मध्य में सभी सम्बद्ध पक्षों से वार्ता कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता है।

प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा अकादमी, डी.एम.सी., सी.जी.जी. द्वारा आयोजित प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रशिक्षण से संबंधित डाटाबेस भी इस प्रकोष्ठ द्वारा संकलित कर प्रत्येक माह उसकी प्रगति आख्या शासन स्तर को प्रस्तुत की जाती है। इसके अलावा अकादमी द्वारा आयोजित आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षार्थियों से संबंधित अभिलेखों का रख–रखाव भी प्रशिक्षण समन्वय इकाई के द्वारा किया जाता है।

प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा प्रत्येक वर्ष दिसम्बर माह में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को अनुमोदन हेतु प्रेषित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय से प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रस्तावों को आमंत्रित कर संकलित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अकादमी स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर भारत सरकार को प्रेषित करने का कार्य भी निष्पादित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से अनुमोदित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को ससमय अकादमी स्तर पर आयोजित करने हेतु संकाय से समन्वय भी किया जाता है।

आलोच्य वर्ष में अकादमी तथा सी.जी.जी. द्वारा संचालित समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुगम संचालन में प्रशिक्षण समन्वय इकाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रभारी अधिकारी

(टी.सी.यू.) के मार्गदर्शन में समन्वयक, प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा सफलतापूर्वक इस कार्य को किया जा रहा है।

अकादमी आफिसर्स मैस

अकादमी में विभिन्न उत्कृष्ट उपकरणों में सुसज्जित मैस है। इसमें एक समय में 150 व्यक्तियों के भोजन की व्यवस्था की जा सकती है। मैस में भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यह सम्पूर्ण व्यवस्था मैस प्रबन्धक की देख–रेख में की जाती है। व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु मैस विंग बनाया गया है। मैस के उचित संचालन के लिए अकादमी संकाय सदस्यों में से एक सदस्य को प्रभारी अधिकारी (मैस) का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, जिनके अधीन मैस प्रबन्धक एवं एक मैस सुपरवाईर भी नियुक्त किया गया है। वर्तमान में 01 मैस सुपरवाइजर सहित कुल 19 कार्मिकों द्वारा अपने–अपने स्तर से योगदान दिया जा रहा है। मैस के सामने ही अकादमी का लाउन्ज स्थित है जिसका उपयोग महत्वपूर्ण समारोहों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विशिष्ट अतिथियों के आगमन, स्वागत व विशेष भोज के अवसरों पर किया जाता है। भोजन को प्रस्तुत करने हेतु मैस में वैनमैरी लगाये गये हैं जिससे आगन्तु अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया जा सके। अतिथियों हेतु कॉफी मशीन भी स्थापित की गयी है जिसमें आगन्तु अतिथियों की आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की कॉफी का आनन्द लिया जाता है। इसके अतिरिक्त एक नया एक्जयूक्यूटीव डॉयनिग हॉल बनाया गया है, जिसमें 25–30 लोग एक साथ भोजन कर सकते है, साथ ही मैस के पीछे कार्मिकों हेतु अन्नपूर्णा भोजनालय का निर्माण भी अकादमी द्वारा किया गया है। बदलते हुए परिदृश्य एवं मॉग के अनुरूप अकादमी की सेवाओं एवं सुविधाओं में गुणवत्ता बनाये रखना तथा इनका रख–रखाव एक बड़ी चुनौती है। अकादमी मैस ने प्रारम्भ के वर्षों में इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया है, तथा खान–पान की सेवाओं के क्षेत्र में हुई प्रगति, मशीनीकरण व तकनीकी विकास और लोगों के खान–पान की आदत में आए परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में ढालने का निरन्तर प्रयत्न किया जा रहा है।

छात्रावास

प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सुखद एवं आरामदायक आवासीय व्यवस्था के लिए अकादमी कैम्पस में दो सर्वसुविधा सम्पन्न छात्रावास क्रमशः गंगोत्री तथा यमुनोत्री हैं। इनमें

लगभग एक समय में 150 प्रशिक्षु अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त अतिथि प्रशिक्षकों के लिए आवासीय व्यवस्था हेतु 14 कक्षों के दो भवन विद्यमान हैं।

प्रशिक्षण कक्ष तथा प्रेक्षागृह

अकादमी के त्रिशूल भवन तथा चौखम्भा भवन में कुल 08 चर्चा कक्ष हैं। समस्त चर्चा कक्षों को उत्तराखण्ड के विभिन्न पर्वत शिखरों के नाम से सुशोभित किया गया है। सभी चर्चा कक्षों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। वर्तमान में चौखम्भा भवन में स्थित कक्ष संख्या 10 का पुनरुद्धार कर आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। अकादमी के त्रिशूल भवन में ही आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रेक्षागृह भी है, जिसमें एक समय में लगभग 200 व्यक्तियों के बैठने की आरामदायक व्यवस्था है। इस प्रेक्षागृह का उपयोग प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों के अतिरिक्त प्रशिक्षार्थी अधिकारियों के द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिये किया जाता है।

क्रीड़ा एवं खेल–कूद सुविधाएँ

अकादमी परिसर में स्थित 'भागीरथी' एक ऐतिहासिक भवन है, में स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स स्थापित है। इसमें बिलियर्ड, बैडमिन्टन, टेबल टैनिस, भारोत्तोलन, व्यायाम, शतरंज, कैरम इत्यादि की सुविधाएँ स्थापित है। आउटडोर गतिविधियों के लिए साईकिलिगं, अभ्यास क्रिकेट पिच तथा एक Multi-purpose all weather court जिसमें लॉन टैनिस, बास्केटबाल तथा वालीबाल की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

इन सुविधाओं में सहायता प्रदान करने के लिये पी.टी.आई. एवं क्रीड़ा सहायक भी अकादमी में उपलब्ध हैं। संदर्भित वर्ष के दौरान दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों द्वारा सत्रान्त तक निरन्तर खेल–कूद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सभी दीर्घकालीन प्रशिक्षणों के प्रतिभागियों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं और विजेता प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया। अकादमी में खेल–कूद व योगा इत्यादि की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इन्डोर व आउटडोर खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न अवस्थापनाओं का विकास निरंतर किया जा रहा है।

अकादमी की

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

अकादमी में आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का तुलनात्मक विवरण

आलोच्य वर्ष 2023–24 में कुल 214 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तराखण्ड एवं देश के अन्य प्रान्तों के कुल 8459 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसमें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, तथा उत्तराखण्ड सरकार के विभिन्न विभागों सहित राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, के प्रशिक्षण कार्यक्रम/सेमिनार इत्यादि सम्मिलित हैं। उल्लेखनीय है कि गतवर्ष 2022–23 में इसी अवधि में कुल 106 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल 4220 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। तुलनात्मक रूप से गतवर्ष की अपेक्षा वित्तीय वर्ष 2023–24 में अकादमी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा।

S. No.	Programme Category	No. of Programmes Conducted		No. of Participants	
		2022-23	2023-24	2022-23	2023-24
Department of Personnel and Training (DoPT)					
1.	Trainer Development Programme (TDP)	06	07	91	113
2.	State Category Training Programme (SCTP)	24	13	643	329
Government of India/State Government and DMC					
1.	Government of India Programme (IFS/IAS/All India Services)	01	00	22	00
2.	State Government Training Programme	37	50	1828	2199
3.	Disaster Management Cell	13	22	971	1026
Centre for Good Governance					
1.	Documentation and Coordination Unit	08	23	220	858
2.	KRC-Water and Sanitation Unit	06	20	173	504
3.	Gender Issues Cell	01	04	52	165
4.	E-Governance Cell	00	06	00	165
5.	IPR-RTI	00	09	00	452
State Institute of Urban Development					
1.	State Institute of Urban Development Development	00	15	00	648
COMMIT					
2.	COMMIT	00	45	00	2000
	TOTAL	**106**	**214**	**4220**	**8459**

वित्तीय वर्ष 2023–24 में अकादमी द्वारा कुल 214 प्रशिक्षण कार्यक्रम (6 Online and 208 (Class Room training programmes and outreach) आयोजित किये गये, जिसमें कुल 8459 प्रतिभागियों द्वारा अकादमी में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया। आलोच्य वर्ष 2023–24 में गतवर्ष 2022–23 की तुलना में दुगुने से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन तथा दुगुने से अधिक प्रतिभागियों द्वारा अकादमी में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया। वित्तीय वर्ष 2023–24 में अकादमी द्वारा औसत रूप से प्रतिमाह लगभग 17.83 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जबकि प्रति प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों का औसत लगभग 39.52 रहा।

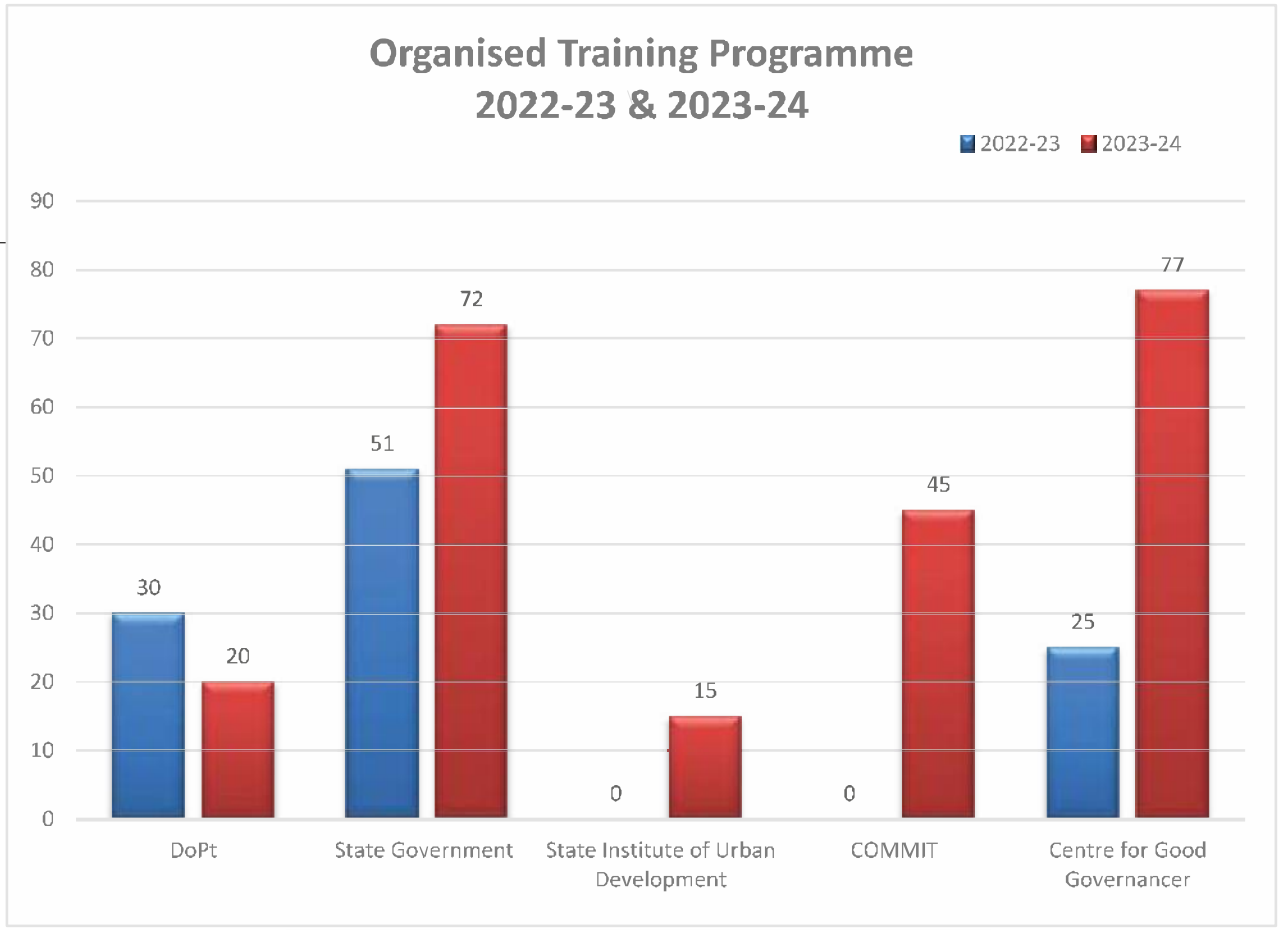

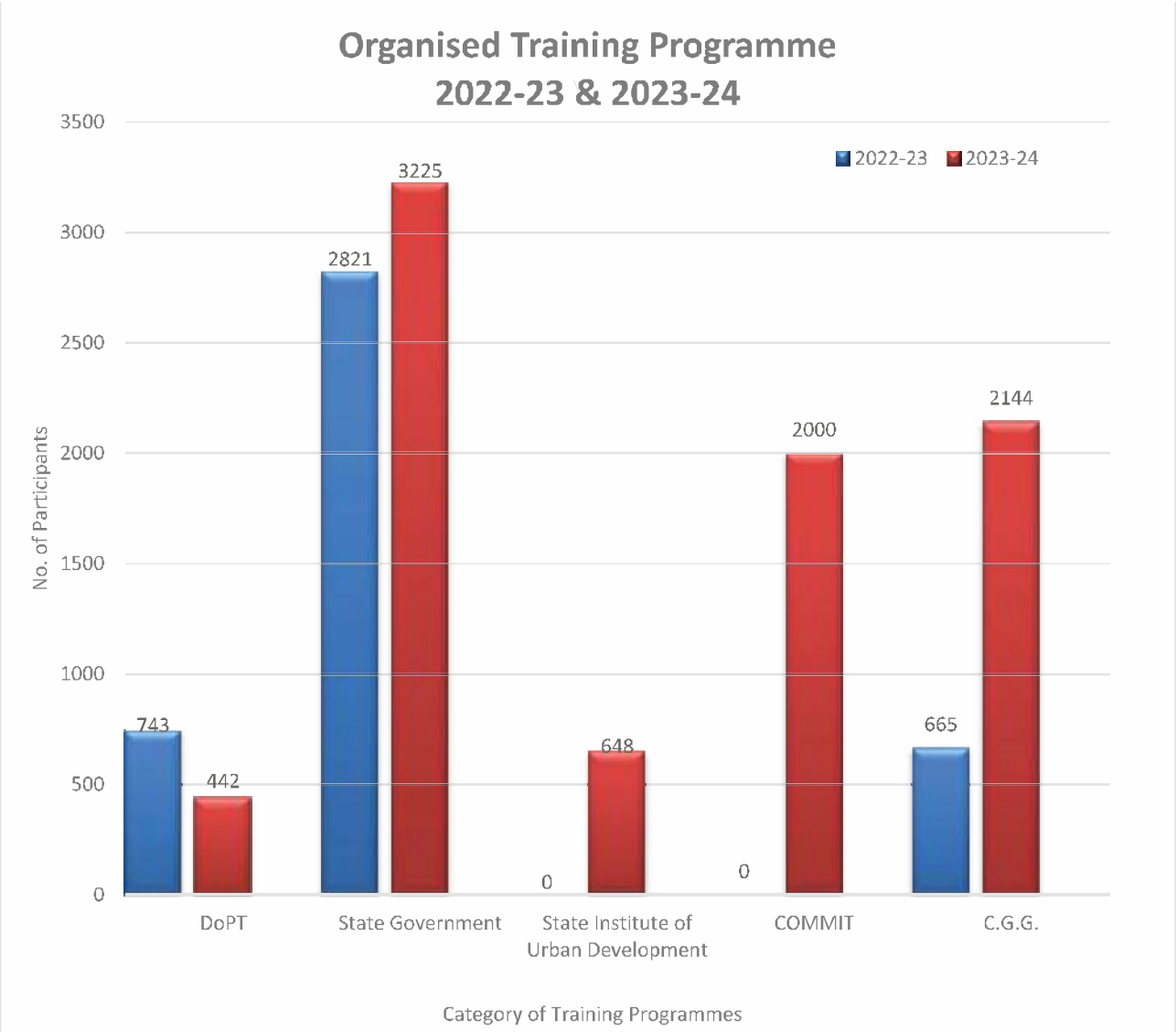
Organised Training Programme
2022-23 & 2023-24
2022-23
2023-24
No. of Participants
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
743
442
2821
3225
0
648
0
2000
665
2144
DoPT
State Government
State Institute of Urban Development
COMMIT
C.G.G.
Category of Training Programmes

वित्तीय वर्ष 2023–24 की प्रमुख प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रदेश के समग्र विकास के लिये, विभिन्न विभागों/संगठनों, लोकतांत्रिक निकायों, जन प्रतिनिधियों, सरकारी तथा गैर–सरकारी प्रतिष्ठानों में कार्यरत कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रदेश के विकास में इन संस्थानों की कुशलता और प्रभाविकता इनमें कार्यरत कार्मिकों की कार्यकुशलता एवं योग्यता पर निर्भर करती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लक्ष्य

- ❖ कार्मिकों में बेहतर कार्य निष्पादन हेतु व्यावहारिक ज्ञान एवं क्षमता विकास।
- ❖ बदलती सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिस्थितियों में संवेदनशील और उत्तरदायित्वपूर्ण क्षमता का विकास।
- ❖ गैर सरकारी/स्वयंसेवी संस्थानों व निर्वाचित जन–प्रतिनिधियों की क्षमता का विकास।
- ❖ प्रशिक्षण आयोजना एवं संरचना का विकास ताकि समूह क, ख के सभी लोक सेवकों को प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त हो सकें।
- ❖ सामयिक विषयों पर कार्यशालाओं, संगोष्ठी और सम्मेलनों के आयोजन से विचारों का आदान–प्रदान, विचार–विश्लेषण एवं संवाद।

अकादमी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

• व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

अखिल भारतीय सेवा के प्रशिक्षार्थी अधिकारियों हेतु आयोजित किये जाने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को सम्बन्धित कार्यक्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए उनकी क्षमता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उद्देश्यों में प्रशिक्षार्थियों में निर्णय क्षमता के विश्लेषणात्मक पक्षों का विकास, विकास कार्यक्रमों की समस्याओं के समाधान में कौशल एवं क्षमतापूर्वक दायित्व निर्वहन एवं नवसृजित राज्य उत्तराखण्ड की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों से उन्हें अवगत करना सम्मिलित है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत, सिविल एवं राजस्व विधि, नियोजन एवं विकास, कृषि संरचना एवं ग्राम्य विकास तथा विधिक निर्णय लेखन आदि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। मुख्य रूप से

भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की कार्यक्षमता व कौशल में वृद्धि के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय वन सेवा (आई.एफ.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु अकादमी द्वारा पाँच सप्ताह तथा अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु 9.3 सप्ताह तथा प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों हेतु 10–सप्ताह के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन किये जाने का प्रावधान है।

आलोच्य वर्ष 2023–2024 में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु **21वाँ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया, इसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के 03 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इसके साथ ही अखिल भारतीय वन सेवा (आई.एफ.एस.) के अधिकारियों हेतु हेतु **13वाँ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया। इसमें भारतीय वन सेवा के 02 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	21st Professional Course for IAS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre	09 Weeks and 03 Days	07.08.2023	14.10.2023	V.K. Singh Dy. Director	03
2.	13th Professional Course for IFS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre		07.08.2023	09.09.2023	V.K. Singh Dy. Director	02
Total number of Participants						**05**

- **आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम**

आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को प्रदेश तथा सम्बन्धित कार्यक्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करना होता है। चूँकि आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नवागत अधिकारियों के लिए किया जाता है, इसलिए इस कार्यक्रम में ऐसे कार्यक्रमों का समायोजन किया जाता है जो एक व्यक्ति को देश एवं प्रदेश के आवश्यकतानुसार कार्य करने के लिए तैयार कर सकें।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

- ❖ शासन–प्रशासन तंत्र की आवश्यकताओं व जन अपेक्षाओं के अनुरूप परिवीक्षाधीन अधिकारियों की क्षमताओं और प्रबन्ध कौशल को विकसित करना।
- ❖ प्रदेश की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के बीच सामंजस्य एवं सौहार्द स्थापित करना।
- ❖ प्रतिभागियों को सरकारी कार्य प्रणाली में लागू सिद्धातों और कार्य–प्रणालियों से परिचित कराना।
- ❖ प्रतिभागियों को सरकारी प्रणाली में प्रबन्ध सम्बन्धी प्रक्रियाओं और तकनीकों से परिचित कराना।
- ❖ प्रतिभागियों को लोक प्रशासन में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवेश की चुनौतियों के विश्लेषण व समाधान की क्षमता विकसित करने में सहायता करना।

• पाठ्यक्रम

आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात् परिवीक्षाधीन अधिकारियों से निम्नलिखित क्षेत्रों में दक्षतापूर्वक कार्य करने की अपेक्षाएँ की जाती हैं:–

- ❖ संविधान, सेवा नियम तथा अनुशासनिक कार्यवाही।
- ❖ लोक संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार।
- ❖ विधि एवं विधि व्यवहार।
- ❖ वित्त एवं लेखा।
- ❖ कार्यालय प्रबन्ध एवं प्रक्रिया।
- ❖ प्रबन्ध एवं मानव संसाधन विकास।
- ❖ विकास, ग्राम विकास, नगर विकास एवं विकेन्द्रीकृत नियोजन तथा कम्प्यूटर दक्षता।
- ❖ क्षेत्र एवं अध्ययन भ्रमण।

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा कोई परिणाम घोषित न होने के कारण अकादमी द्वारा आलोच्य वर्ष 2023–2024 में कोई आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम नही अयोजित किया गया।

• सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तराखण्ड शासन द्वारा दिनाँक 17 जनवरी, 2003 को प्रेषित पत्र (संख्याः 1833 एक–1–2003) द्वारा राज्य के समस्त विभागों एवं अकादमी, नैनीताल को यह सूचित किया गया था कि उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग/सम्मिलित राज्य/प्रवर अधिनस्थ सेवा के माध्यम से चयनित समस्त अभ्यर्थियों को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व अनिवार्य रूप से सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कोर्स अकादमी, नैनीताल में प्राप्त करना होगा जिससे कि नवचयनित अधिकारियों को उनकी सेवाओं से सम्बन्धित कर्त्तव्यों एवं दायित्वों से परिचित कराया जा सके।

उत्तराखण्ड शासन द्वारा नवचयनित अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से दिया गया उपरोक्त आदेश/पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, कि नव–नियुक्त लोक सेवकों से जन अपेक्षाओं के संदर्भ में अधिक संवेदनशील एवं उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। शासन तंत्र द्वारा इस सम्बन्ध में अनेकों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पहल की गई है। तेजी से बदलते हुए परिवेश में, विशेषकर उत्तराखण्ड की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध अवसरों, समस्याओं एवं चुनौतियों के संदर्भ में, समस्त नव–नियुक्त अधिकारियों से संविधान द्वारा स्थापित मूल्यों एवं सिद्धान्तों, लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहते हुए विशेषज्ञतापूर्ण सेवायें प्रदान करने की अपेक्षा की जा रही हैं।

उत्तराखण्ड राज्य के समूह 'ख' तथा 'ग' के समस्त ऐसे अधिकारियों/कार्मिकों जिनके द्वारा सेवा में प्रवेश के समय किसी भी प्रकार का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया गया है के लिए एक माह का अनिवार्य सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पूर्व से सेवारत् अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मिड कैरियर प्रशिक्षण उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के माध्यम से आयोजित किये जाने हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी शासनादेश संख्या : 450/ XXX (2)/2014 दिनाँक : 3 नवम्बर, 2014 के संदर्भ में सेवा प्रवेश प्रशिक्षण तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु अकादमी निरन्तर प्रयासरत् है। इस क्रम में राजपत्रित श्रेणी के अंतर्गत अकादमी में आयोजित किए जाने वाले सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संदर्भ में आलोच्य वर्ष में नव–नियुक्त चिकित्साधिकारियों को समस्त आवश्यक प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य विषयों के सन्दर्भ में ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि के लिए राजपत्रित श्रेणी के 48वें से 52वें सेवा प्रवेश प्रशिक्षण

एवं अराजपत्रित श्रेणी में लोक निर्माण विभाग तथा सिंचाई विभाग के अवर अभियन्ताओं हेतु 54वॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया।

सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम के लक्ष्य निम्नांकित हैं

- ❖ उत्तराखण्ड की सामाजिक, आर्थिक एव सांस्कृतिक परिस्थितियों से नव–नियुक्त अधिकारियों को परिचित कराना।
- ❖ नव–नियुक्त अधिकारियों को एक कुशल लोक–सेवक की भूमिका के निर्वहन करने हेतु उनमें प्रबन्धन एवं प्रशासकीय क्षमताओं को विकसित करने के अवसर प्रदान करना।
- ❖ विकास में विशेषज्ञतापूर्ण, प्रशासनिक एवं मानवीय मूल्यों की आवश्यकता एवं महत्व की समझ के विकास के अवसर प्रदान करना।
- ❖ सूचना तकनीकी के वर्तमान परिवेश में महत्व, योग सम्बन्धित जानकारी से अवगत कराना एवं आवश्यक सम्बन्धित क्षमताओं को विकसित करने के अवसर प्रदान करना।

आलोच्य वर्ष 2023–2024 में लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नवागत राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमो का आयोजन किया गया:–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	48th Induction Training Programm for Medical Officers	01-Month	10.04.2023	09.05.2023	Dr. Manju Pandey Asso. Prof. DMC	31
2.	54th Induction Training programme for Junior Engineer of PWD-Non-Gazetted	01-Month	22.05.2023	20.06.2023	Dinesh Kumar Rana Dy. Director (Finance)	43
3.	49th Induction Course for Medical Officer	01-Month	03.07.2023	01.08.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat Assistant Director (BS)	47
4.	50th Induction Course for Medical Officer	01-Month	18.09.2023	17.10.2023	V. K. Singh Dy. Director	37
5.	51st Induction Course for Veterinary Doctors	01-Month	20.11.2023	19.12.2023	Poonam Pant and Dr. Priyanka Tyagi	35

6.	52nd Induction Training Programme for Ayurvedic Medical Officers	01-Month	19.02.2024	19.03.2024	Dinesh Kumar Rana Dy. Director (Finance)	28
Total number of Participants						221

राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए अल्प अवधि के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम

अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड द्वारा चयनित अभियोजन अधिकारियों तथा नायब तहसीलदारों के लिए 15 दिन व 12 दिन का विशेष आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	1st Special Foundation Training Programme for Assistant Prosecution Officers	15-Days	01.02.2024	15.02.2024	Dr. Mahesh Kumar	53
2.	2nd Special Foundation Training Programme for Naib Tehshildar	12-Days	26.02.2024	08.03.2024	V.K. Singh	35
Total number of Participants						88

राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्प अवधि तथा आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस वर्ष अकादमी द्वारा राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्प अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं माँग आधारित अन्य विषयों पर 3 दिवसीय व 5 दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया था। उक्त के क्रम में अकादमी द्वारा इस वर्ष राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा जनपद स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, ताकि कम संसाधनों में अधिक से अधिक अधिकारियों/कार्मिकों को प्रशिक्षण का लाभ प्रदान किया जा सके। आलोच्य वर्ष 2023–2024 में उत्तराखण्ड राज्य के राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु राज्य के कुल 11 जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, हरिद्वार, देहरादून, पिथौरागढ़, चम्पावत, नैनीताल, उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल इत्यादि में 24 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आलोच्य वर्ष 2023–2024 में उत्तराखण्ड राज्य के राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Startup Ecosystem and Self Entrepreneurship	03-Days	24.04.2023	26.04.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	34
2.	Orientation Training Programme for CAO's/AOs of District Administration	03-Days	25.05.2023	27.05.2023	Sudhir Kumar	35
3.	Mental Health Coping Mechanism: Post Covid-19	03-Days	29.05.2023	31.05.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	49
4.	Digital literacy Workshop	01-Day	05.07.2023	05.07.2023	Prakash Chandra	52
5.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013	01-Day	06.07.2023	06.07.2023	Prakash Chandra	55
6.	Training Programme on Right to Information Act-2005	01-Day	07.07.2023	07.07.2023	Prakash Chandra	50
7.	Finance and Office management	05-Days	17.07.2023	21.07.2023	Dinesh Kumar Rana	20
8.	Emotional Intelligence and Effective Self-Management	03-Days	07.08.2023	09.08.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	35
9.	Training on Citizen Charter and Right to Service Act towards the achievement of Sevottam Goals	03-Days	09.08.2023	11.08.2023	Sudhir Kumar Dy. Director	27
10.	Storm Water Management & Urban Flooding its mitigation	03-Days	21.08.2024	23.08.2024	Manoj Pande	22
11.	Training Programme on Medico Legal Issues for Medical Officers	03-Days	24.08.2023	26.08.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	60
12.	Training programme on Disaster Management	01-Day	13.09.2023	13.09.2023	Dr. Mahesh Kumar	66 Outreach-Rudrapryag
13.	Training programme on RTI & RTS	01-Day	14.09.2023	14.09.2023	Dr. Mahesh Kumar	96 Outreach-Rudrapryag
14.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women	01-Day	15.09.2023	15.09.2023	Dr. Mahesh Kumar	108 Outreach-Rudrapryag

	at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 & e-office					
15.	E-Governance Solutions State Government	01-Day	04.10.2023	04.10.2023	Dr. Priyanka Tyagi	101
16.	Disaster Management	01-Day	05.10.2023	05.10.2023	Dr. Priyanka Tyagi	51
17.	Right to Information act-2025 & Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013	01-Day	06.10.2023	06.10.2023	Dr. Priyanka Tyagi	71
18.	Birth and death registration act and its impact on nation building	02-Day	16.10.2023	17.10.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	55
19.	GeM, Benefit of SHGs	01-Day	16.10.2023	16.10.2023	Dinesh Kumar Rana	23
20.	Right to Information act-2025/IFMS and Online ACR and E-Office	01-Day	17.10.2023	17.10.2023	Dinesh Kumar Rana	23
21.	Orientation of Mission Karmyogi and iGot Platform, CM Helpline and Disaster Management	01-Day	18.10.2023	18.10.2023	Dinesh Kumar Rana	23
22.	Disaster Management	01-Day	18.10.2023	18.10.2023	Dr. Mahesh Kumar	53
23.	Right to Information act-2025	01-Day	19.10.2023	19.10.2023	Dr. Mahesh Kumar	60
24.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 & e-office	01-Day	20.10.2023	20.10.2023	Dr. Mahesh Kumar	55
25.	ToT: Right to Information act-2005	03-Days	20.11.2023	22.11.2023	Dr. Mahesh Kumar	21
26	Sevottam & Best Governance Practices in Uttarakhand.	02-Days	04.12.2023	05.12.22023	Sudhir Kumar	36
27.	3rd IPS (Batch-2022) Training Programme	06-Days	11.12.2023	16.12.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	01
28.	Right to Information & Right to Service.	01-Day	12.12.2023	12.12.2023	Dr. Om Prakash	54

29.	E- Governance (E-Office and IFMS System)	01-Day	13.12.2023	13.12.2023	Dr. Om Prakash	54
30.	Disaster Management and Sensitization on Sexual Harassment of Women at Workplace	01-Day	14.12.2023	14.12.2023	Dr. Om Prakash	50
31.	Disaster Management	01-Day	14.12.2023	14.12.2023	Ragini Tewari	45
32.	Gender Sensitization and Child Rights	01-Day	15.12.2023	15.12.2023	Ragini Tewari	55
33.	RTI and E-Governance Solutions	01-Day	16.12.2023	16.12.2023	Ragini Tewari	60
34.	Finance Management including Pension & New Treasury System with NPS	05-Days	08.01.2024	12.01.2024	Dinesh Kumar Rana	21
35.	Sevottam and Best Practices in Uttarakhand	03-Days	18.01.2024	20.01.2024	Sudhir Kumar	20
36.	E-Governance, online ACR Process in IFMS System: e-office, e-procurement, e-tendring, GeM Portal	01-Day	29.01.2024	29.01.2024	Dr. Anil Kumar Mishra	77
37.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 & e-office	01-Day	30.01.2024	30.01.2024	Dr. Anil Kumar Mishra	88
38.	Right to Information act, 2005	01-Day	31.01.2024	31.01.2024	Dr. Anil Kumar Mishra	75
39.	Training on Citizen Charter and Right to Service	03-Days	22.02.2024	24.02.2024	Poonam Pant	25
40.	Mentoring Skills	03-Days	04.03.2024	06.03.2024	V.K. Singh	12
Total number of Participants						**1918**

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सहायता से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए चिन्हित आवश्यकता आधारित विभिन्न विषयों पर एक सप्ताह एवं तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति के आलोक में अकादमी ने प्रशिक्षकों के विकास को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। तद्नुसार प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है जो प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल विकसित करने में सहायक है। तद्नुसर अकादमी द्वारा प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल, डिजाइन ऑफ ट्रेनिंग, इवैल्युएशन ऑफ ट्रेनिंग तथा मैनेजमेंट ऑफ ट्रेनिंग इत्यादि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश एवं देश में कार्यरत प्रशिक्षकों हेतु किया जाता है।

आलोच्य वर्ष 2023–24 में 07 प्रशिक्षक विकास कार्यक्रमों में कुल 113 प्रतिभागी अधिकारी तथा 13 राज्य श्रेणी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 329 प्रतिभागी अधिकारी अर्थात कुल 20 कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें 442 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	From	To	Course Director / Coordinator	No. of Participants
1.	Mentoring Skills	03-Days	17.08.2023	19.08.2023	Vivek Kumar Singh	12
2.	Design of Training (DoT)	01-Week	21.08.2023	25.08.2023	Priyanka Tyagi	12
3.	Direct Trainer Skills (DTS) State	01-Week	11.09.2023	15.09.2023	Vivek Kumar Singh	23
4.	Evaluation of Training (EOT)	05-Days	11.09.2023	15.09.2023	Dinesh Kumar Rana	15
.5.	Evaluation of Training (EOT)	01-Week	26.12.2023	30.12.2023	Dr. Om Prakash	14
6.	Direct Trainer Skills (DTS)	01-Week	04.03.2024	08.03.2024	Dr. Mahesh Kumar	24
7.	Design of Training (DoT)	01-Week	18.03.2024	23.03.2024	Dr. Manju Pandey	14
Total number of Participants						113

राज्य श्रेणी के प्रशिक्षण कार्यक्रम

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Training on Citizen Charter and Right to Service Act	03-Days	09.08.2023	11.08.2023	Sudhir Kumar	27
2.	Gender issues in Disaster Management	03-Days	24.08.2023	26.08.2023	Dr. Manju Pandey	23
3.	Role of Soft Skills in Workplace	03-Days	25.09.2023	27.09.2023	Ragini Tiwari	31
4.	The Role of Community Participation in Sustainable Solid Waste Management	03-Days	26.09.2023	28.09.2023	Manoj Pande	30 Online
5.	Integrated Water Resource Development and Management: With a Special Focus on Hilly Towns	03-Days	02.11.2023	04.11.2023	Manoj Pande	22
6.	Legal Protection of Human Rights	03-Days	09.10.2023	11.10.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	21
7.	Integrated Water Resource Development and Management: With a Special Focus on Hilly Towns	03-Days	02.11.2023	04.11.2023	Manoj Pande	22
8.	e-Governance- Cloud Computing and Cloud Infrastructure	03-Days	11.12.2023	13.12.2023	Meenu Pathak	26 Online
9.	E-Governance: Concept and Initiatives	03-Days	16.11.2023	18.11.2023	V.K. Singh	29
10.	Role of Information, Education and Communication (IEC) in WASH	03-Days	20.12.2023	22.12.2023	Ragini Tiwari	20
11.	Effective Communication & Leadership Skills	03-Days	20.11.2023	22.11.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	27
12.	Finance management including Pension and New Treasury System with NPS	03-Days	05.02.2024	07.02.2024	Dinesh Kumar Rana	29
13.	Ethics & Values: Right Approach in Life	03-Days	05.02.2024	07.02.2024	Dr. Deepa Mehra Rawat	22
Total Number of Participants						**329**

विभागीय परीक्षाएँ

उत्तराखण्ड शासन द्वारा विभागीय परीक्षा के संचालन के सम्बंध में जारी शासनादेश संख्या 2858/XXX(ii)/2005 के अनुसार डा0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी द्वारा वर्ष 2005 से राज्याधीन सेवाओं में नियुक्ति के पश्चात् परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने तथा पदोन्नति हेतु विभागीय परीक्षा का प्रावधान विद्यमान है, ऐसी सेवाओं एवं पदों में विभागीय परीक्षाओं का आयोजन अकादमी द्वारा किया जाता रहा है। विभागीय परीक्षाओं की गोपनीयता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए अकादमी में पूर्ण पारदर्शिता के साथ विभागीय परीक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

आलोच्य वर्ष 2023–2024 में उत्तराखण्ड शासन के अधीन कार्यरत् अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न विभागीय परीक्षाओं का आयोजन किया गया एवं एक सप्ताह के अन्तराल से पूर्व परीक्षाफल घोषित किया गया :–

S. No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Departmental Exam (DSP)	03-Days	09.10.2023	11.10.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	01
Total number of Participant						01

विभिन्न राष्ट्रिय संस्थाओं से संकाय विनिमय कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग (MoU)

अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियों तथा क्षमता विकास के लिए निम्नलिखित राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय महत्वपूर्ण संस्थानों से MoU किया गया है।

1. भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली।
2. जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा।
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
4. पं0 दीनदयाल उपाध्याय वित्तीय प्रशासन, प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, वित्त विभाग, देहरादून।
5. हरीश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर।
6. जम्मू और कश्मीर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवेलपमेंट, जम्मू।
7. भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर।
8. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

आलोच्य वर्ष 2023–24 में निम्नलिखित राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय महत्वपूर्ण संस्थानों से MoU की प्रक्रिया गतिमान हैः–

1. उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रंबन्धन अकादमी, लखनऊ
2. महात्मा गाँधी स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पंजाब, चण्डीगढ़

मिशन कर्मयोगी एवं कॉमिट

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन कर्मयोगी का माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 02 सितम्बर, 2020 को शुभारम्भ किया गया। यह योजना देश के समस्त शासकीय अधिकारियों के ऑनलाइन माध्यम से क्षमता विकास हेतु आरम्भ की गयी है। मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत कार्मिकों का Rule to Role Based क्षमता विकास किया जाना है। जिस हेतु i-GOT Platform का उपयोग करते हुये किसी भी समय, किसी भी स्थान एवं किसी भी उपकरण पर आवश्यकतानुसार विषयों पर E-Learning Modules की सहायता से क्षमता विकास किया जा सकता है।

उत्तराखण्ड राज्य में मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन हेतु माननीय मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा अकादमी को दिनांक 14 जून, 2022 को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया। तद् दिनांक से अकादमी द्वारा कार्यक्रम के क्रियान्वयन में समानान्तर रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके क्रम में अकादमी में मिशन कर्मयोगी सेल की स्थापना की गयी है। अकादमी द्वारा i-GOT Portal पर ऑनबोर्डिंग हेतु उत्तराखण्ड राज्य के समस्त विभागों से पत्राचार कर विभागों से नामित नोडल से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के साथ ही विभाग के अन्तर्गत आने वाले कार्यालयों/संस्थानों की जानकारी भी एकत्रित की गयी है।

अकादमी द्वारा i-GOT Portal पर उत्तराखण्ड राज्य के समस्त विभागों की सूची को परिलक्षित करने हेतु Special Purpose Vehicle (SPV) कर्मयोगी भारत से संर्पक एवं समन्वय करते हुये विभागों की सूची i-GOT Portal पर पंजीकृत करा दी गयी है। इसी क्रम में मिशन कर्मयोगी एवं i-GOT Platform पर उन्नमुखीकरण कार्यक्रम हेतु Capacity Building Commission (CBC) एवं Special Purpose Vehicle (SPV) कर्मयोगी भारत के सहयोग से प्रशिक्षण सत्र आयोजित कराये गये। वर्तमान में यह कार्यक्रम अकादमी स्तर से आयोजित किये जा रहे हैं।

अकादमी द्वारा i-GOT Portal पर ऑनबोर्डिंग के संबंध में विभागों को समय–समय पर उनके द्वारा अनुभव की जा रही कठिनाईयों के निराकरण हेतु सहयोग एवं जानकारी प्रदान की जा रही है। आतिथि तक i-GOT Portal पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार राज्य के कुल 50 विभागों द्वारा Portal पर ऑनबोर्डिंग की जा चुकी है। शेष विभागों द्वारा भी ऑनबोर्डिंग हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में विभिन्न विभागों के 122 नोडल

अधिकारियों को MDO के रूप में पंजीकृत कराया जा चुका है। i-GOT Platform पर प्रदेश के 25500 से अधिक कार्मिकों द्वारा onboarding की जा चुकी है तथा 103800 से अधिक प्रशिक्षण पूर्ण किये जा चुके हैं।

विभिन्न विभागों हेतु E-Learning Module तैयार करने से पूर्व विभागों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आंकलन हेतु अकादमी स्तर से प्रयास किये गये हैं। इस श्रृंखला में प्रथम चरण में प्रदेश के 10 विभागों (कौशल विकास एवं सेवायोजन, समाज कल्याण, शहरी विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उच्च शिक्षा, गृह, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, पशुपालन, गन्ना एवं चीनी तथा उद्योग) प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आंकलन हेतु प्रशिक्षित मानव संसाधन के माध्यम से अध्ययन पूर्ण कराया गया। अध्ययन से प्राप्त आंकलन के आधार पर अकादमी द्वारा सम्बंधित विभागों को ऑनलाईन व ऑफलाईन माध्यम से उपलब्ध प्रशिक्षण सामग्री/कार्यक्रम के सम्बंध में मार्गदर्शन दिया गया।

मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत संचालित की जा रही COMMIT परियोजना के माध्यम से कटिंग ऐज स्तर के कार्मिकों को 15 मॉड्यूल पर प्रशिक्षित किये जाने की व्यवस्था उपलब्ध है। भारत सरकार के सहयोग से वर्ष 2023–24 में प्रदेश के 2000 कार्मिकों को प्रशिक्षित किये जाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके क्रम में प्रदेश के पुलिस विभाग के कार्मिकों को प्रशिक्षित कराया गया। इसके अन्तर्गत कुल 45 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 2006 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रदेश के कार्मिकों हेतु E-Learning सुविधा विकसित करने के उद्देश्य से i-GOT Platform के अतिरिक्त अकादमी द्वारा NeGD Platform पर Learning Management System (LMS) भी तैयार किया गया है, जिस पर लगभग 443 से अधिक प्रशिक्षण सामग्री (PDF/PPT/Audio-Visual) प्रारूप में उपभोग हेतु उपलब्ध है। इस पोर्टल पर निरन्तर नई प्रशिक्षण सामग्री को उपलब्ध कराने की दिशा में अकादमी प्रयासरत है। इस पोर्टल हेतु अकादमी द्वारा अपने प्रयासों से 41 विभिन्न विषयों पर ऑडियो–वीडियो मॉड्यूल विकसित कर अपलोड किये जा चुके हैं। प्रदेश के 1037 से अधिक कार्मिक इस पोर्टल पर पंजीकृत हो प्रशिक्षण सामग्री से लाभान्वित हो रहे हैं।

विशेष

दिनांक 24 मई 2023 को माननीय श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड, ले0ज0 (से0नि0) गुरमीत सिंह द्वारा अकादमी का भ्रमण किया गया। माननीय श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड द्वारा अकादमी में सराहनीय सेवा के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया:–

1. श्री प्रकाश चन्द्र, संयुक्त निदेशक
2. श्री वी.के. सिंह, उप निदेशक
3. श्री दिनेश कुमार राणा, उप निदेशक
4. सुश्री पूनम पाठक, उप निदेशक

श्री राज्यपाल महोदय द्वारा अकादमी में आयोजित होने वाले आधारभूत व सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए गवर्नर ट्राफी की घोषणा की जिसे प्रत्येक वर्ष सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु अधिकारी को दिया जायेगा। दिनांक 20 मई, 2024 को वित्तीय वर्ष 2023–24 में संचालित समस्त व्यावसायिक एवं सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से 52वें सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षु अधिकारी का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु अधिकारी के रूप में चयनित डॉ. त्रिभुवन बेंजवाल, चिकित्साधिकारी (आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवायें, उत्तराखण्ड) को प्रथम गवर्नर्स ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अकादमी में तैनात किये गये नये संकाय अधिकारी :

1. डा0 महेश कुमार, संयुक्त निदेशक
2. सुश्री पूनम पन्त, उप निदेशक
3. सुश्री पूनम पाठक, उप निदेशक

अकादमी में नवनियुक्त कार्मिक :

1. श्री महेन्द्र गुप्ता, आशुलिपिक
2. श्री योगेश कुमार, आशुलिपिक
3. कु0 कामिनी आर्या, आशुलिपिक
4. श्री रोहित जोशी, कनिष्ठ सहायक
5. श्री मनीष चन्द, कनिष्ठ सहायक
6. श्री दुष्यन्त सिंह, लाईनमैन

अकादमी से अवकाश ग्रहण करने वाले कार्मिक :

1. श्रीमती सरोज नगन्याल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
2. श्री पुष्कर सिंह रावत, व्यायाम प्रशिक्षक
3. श्री घनानन्द ओली, प्लम्बर

डा0आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल की अष्टम बोर्ड ऑफ गवर्नर्स /गवर्निंग बॉडी की बैठक दि0 08.05.2024 का कार्यवृत्त

मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन/अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल महोदय की अनुमति से दिनांक 08 मई, 2024 को अपराह्न 12:300 बजे सचिवालय, मुख्य सचिव सभागार, देहरादून में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अष्टम बैठक का आयोजन किया गया। अकादमी की बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में निम्नलिखित अध्यक्ष/सदस्य नामित हैं :–

1. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन – अध्यक्ष
2. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
3. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, कार्मिक, उत्तराखण्ड शासन अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
4. निदेशक, डा0आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल – सदस्य/सचिव
5. निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
6. निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य

बैठक में गवर्निंग बॉडी के निम्न सदस्य/प्रतिनिधि उपस्थित रहे:–

1. श्रीमती राधा रतूड़ी, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. श्री बी0पी0 पाण्डेय, महानिदेशक, डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल।
3. श्री आनन्द वर्द्धन, अपर मुख्य सचिव, कार्मिक एवं वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी द्वारा नामित प्रतिनिधि श्रीमती सौजन्या, संयुक्त निदेशक।
5. निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की द्वारा नामित प्रतिनिधि प्रो. कौशिक घोष, प्रोफेसर।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में सर्वप्रथम महानिदेशक, अकादमी द्वारा अध्यक्ष/मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन महोदया का स्वागत किया गया। बोर्ड के सभी सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

महानिदेशक, अकादमी द्वारा अकादमी की वित्तीय वर्ष 2023–24 की गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय दिया। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा ध्वनिमत से अकादमी के कार्यों की प्रशंसा की गई। इसके पश्चात् महानिदेशक महोदय द्वारा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की सप्तम बैठक का एजेण्डावार अनुपालन आख्या (ए0टी0आर0) प्रस्तुत करते हुए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अष्टम बैठक का एजेण्डावार विवरण प्रस्तुत किया गया जो निम्नवत् हैं:–

एजेण्डा बिन्दु–1 (क) – वित्तीय वर्ष 2023–24 में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण एवं समीक्षा–

वित्तीय वर्ष 2023–24 में अकादमी में संचालित 214 प्रशिक्षण कार्यक्रमों (8459 प्रतिभागी) का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया।

बोर्ड द्वारा अकादमी के वर्ष 2023–24 के क्रिया–कलापों/प्रगति की सराहना की गई। एजेण्डा बिन्दु संख्या–1 (क) अनुमोदित किया गया।

एजेण्डा बिन्दु–1 (ख) – वित्तीय वर्ष 2024–25 में प्रस्तावित/संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण–

वित्तीय वर्ष 2024–25 में प्रस्तावित 230 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण महानिदेशक, अकादमी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजित किये जाने पर सहमति व्यक्त करते हुए एजेण्डा बिन्दु संख्या–1 (ख) अनुमोदित किया गया।

एजेण्डा बिन्दु–2 (क) – गत वित्तीय वर्ष 2023–24 की आय–व्ययक समीक्षाः–

अकादमी लेखाशीर्षक '2070–अन्य प्रशासनिक सेवायें–00–आयोजनेत्तर–003–प्रशिक्षण– 03–राज्य प्रशासन अकादमी, नैनीताल' के अन्तर्गत विभिन्न मानक मदों में वित्तीय वर्ष के दौरान हुए व्ययों का विवरण प्रस्तुत किया गया।

बोर्ड द्वारा किये गये व्ययों पर सन्तोष व्यक्त करते हुए एजेण्डा बिन्दु अनुमोदित किया गया।

एजेण्डा बिन्दु–2 (ख) – चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अकादमी लेखाशीर्षक के विभिन्न मानक मदों में शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि का विवरणः

अकादमी लेखाशीर्षक '2070–अन्य प्रशासनिक सेवायें–00–आयोजनेत्तर–003–प्रशिक्षण –03–राज्य प्रशासन अकादमी, नैनीताल' के अन्तर्गत विभिन्न मानक मदों में वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु स्वीकृत लेखानुदान का विवरण प्रस्तुत किया गया। बोर्ड द्वारा अवलोकित किया गया।

एजेण्डा बिन्दु संख्या 3– अन्य कोई बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

अध्यक्ष महोदय द्वारा अकादमी के कार्यों से सन्तुष्ट होते हुए डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी की कार्यकारिणी समिति को निम्न निर्देश जारी किये :–

1. अकादमी से प्रकाशित होने वाली वैचारिकी की 50 प्रतियॉ उत्तराखण्ड शासन को भी प्रेषित की जाये।
2. संयुक्त निदेशक (कम्प्यूटर) के पद हेतु वॉछित अर्हता में शिथिलीकरण के प्रस्ताव पर यथाशीघ्र कार्मिक विभाग द्वारा आवश्यक शिथिलीकरण किया जायेगा।

3. महानिदेशक, अकादमी द्वारा अकादमी में वैयक्तिक सहायक संवर्ग के पुनर्गठन पर आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु अपर मुख्य सचिव, कार्मिक एवं सतर्कता, उत्तराखण्ड शासन का ध्यानाकर्षित किया गया।
4. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी की भॉति अकादमी के अन्तर्गत एक Children Gallery की स्थापना का सुझाव दिया गया।
5. माह जुलाई, 2024 से पूर्व I.P.C., Cr.P.C., C.P.C. एवं अन्य कानूनों में हुए बदलावों से सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रम अकादमी द्वारा आयोजित किये जायें। जिसमें मुख्य रूप से उप जिला मजिस्ट्रेट व राजस्व विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाये।
6. अकादमी में आयोजित किये जाने वाले सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों में Soft Skill, Attitudinal and Behavioral changes एवं Ethics in Governance को भी सम्मिलित किया जाय।
7. अकादमी द्वारा विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किये जाने पर विचार किया जाय।
8. POCSO, PCPNDT & Cyber Crime Act आदि से सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायें।
9. स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन हेतु House of Himalaya Product को अकादमी परिसर में न्यून दरों पर स्थान उपलब्ध कराया जाये। जिस सम्बन्ध में सचिव ग्राम्य विकास को आवश्यक सहयोग हेतु निर्देशित किया गया।

गवर्निंग बॉडी द्वारा उक्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से अनुमोदित किये गये।

बोर्ड बैठक अत्यन्त सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल को श्रेष्ठ अकादमी बनाने के संकल्प व इस सम्बन्ध में शासन स्तर से पूर्ण सहयोग देने के आश्वासन के साथ बैठक की कार्यवाही सम्पन्न की गयी।

बैठक के अन्त में अकादमी महानिदेशक, श्री बी. पी. पाण्डेय द्वारा अध्यक्ष व सभी अन्य माननीय सदस्यों का सहयोग हेतु आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक को समाप्त करने की घोषणा की।

(बी० पी० पाण्डेय)
महानिदेशक।
16/5/2024

Approved,

20/5/24
(राधा रतूड़ी)

Budget Manual - 08 For The Month Of - [Aug-2024]

(See Paragraphs 107)

Monthly Expenditure Statement to Administrative Department by Controlling Officer / Head Of The Department

Filters: Treasury - All DDO - All

अनुदान संख्या-006 - राजस्व एवं सामान्य प्रशासन

लेखा शीर्षक 2070-अन्य प्रशासनिक सेवायें
003-प्रशिक्षण
00-राज्य प्रशासनिक अकादमी नैनीताल

00--
03-राज्य प्रशासनिक अकादमी नैनीताल

2	0	7	0	0	0	0	0	3	0	3	0	0

मानक मद	आवंटित धनराशि (एच. ओ. डी.)	आवंटित धनराशि (डी. डी. ओ)	वर्तमान माह का व्यय	वर्तमान माह तक का व्यय	प्रतिशत व्यय	शेष	टिप्पणी
01-वेतन	2,50,00,000	2,50,00,000	60,097	91,25,453	36.5%	1,58,74,547	
02-मजदूरी	1,00,000	1,00,000	-	-	0%	1,00,000	
03-महंगाई भत्ता	1,40,00,000	1,40,00,000	54,262	51,42,234	36.73%	88,57,766	
04-यात्रा व्यय	5,00,000	5,00,000	9,714	40,156	8.03%	4,59,844	
06-अन्य भत्ते	27,50,000	27,50,000	1,869	3,21,285	11.68%	24,28,715	
07-मानदेय	40,000	40,000	-	-	0%	40,000	
08-पारिश्रमिक	1,20,00,000	1,20,00,000	8,41,439	41,85,048	34.88%	78,14,952	
10-प्रशिक्षण व्यय	1,00,00,000	1,00,00,000	6,21,141	27,48,886	27.49%	72,51,114	
11-अनुमन्यता सम्बन्धी व्यय	1,00,000	1,00,000	-	-	0%	1,00,000	
20-लेखन सामग्री एवं छपाई	12,00,000	12,00,000	1,49,297	4,95,430	41.29%	7,04,570	
21-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	60,00,000	60,00,000	4,63,380	5,67,380	9.46%	54,32,620	
22-कार्यालय व्यय	75,00,000	75,00,000	3,82,162	21,18,577	28.25%	53,81,423	
23-किराया, उपशुल्क एवं कर स्वामित्व	8,00,000	8,00,000	-	-	0%	8,00,000	
24-विज्ञापन, बिक्री, विख्यापन एवं प्रकाशन पर व्यय	5,00,000	5,00,000	-	-	0%	5,00,000	
25-उपयोगिता बिलों का भुगतान	50,00,000	50,00,000	4,89,022	9,78,853	19.58%	40,21,147	
26-कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर एवं अनुरक्षण	25,00,000	25,00,000	64,596	1,70,805	6.83%	23,29,195	
27-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	1,00,00,000	1,00,00,000	2,86,547	17,31,687	17.32%	82,68,313	
29-गाडियों का संचालन अनुरक्षण एवं ईंधन आदि की खरीद	12,00,000	12,00,000	-	4,97,411	41.45%	7,02,589	
40-मशीन उपकरण सज्जा एवं संयंत्र	30,00,000	30,00,000	14,000	19,500	0.65%	29,80,500	
42-अन्य विभागीय व्यय	17,00,000	17,00,000	-	68,400	4.02%	16,31,600	
51-अनुरक्षण	2,00,00,000	2,00,00,000	-	4,000	0.02%	1,99,96,000	
52-लघु निर्माण	75,00,000	75,00,000	-	7,55,200	10.07%	67,44,800	
कुल योग	**13,13,90,000**	**13,13,90,000**	**34,37,526**	**2,89,70,305**		**10,24,19,695**	

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ

1. **इकाई का नाम :–** आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ, डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल

लक्ष्य/उद्देश्य/कार्य :–

- आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ का मुख्य लक्ष्य व उद्देश्य विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनारों व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर प्राकृतिक व मानवीकृत आपदाओं के विभिन्न पहलुओं (योजना, राहत कार्य, पुर्नवास आदि) के प्रति जनचेतना लाने का प्रयास करना है तथा आपदा प्रबन्धन के विभिन्न क्षेत्रों में शोध सम्बन्धी गतिविधियाँ करना है। इसी के साथ–साथ अधिकारियों, कर्मचारियों, जन प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों को प्राकृतिक व मानवीकृत आपदाओं के प्रति संवेदनशील बनाना/जागरूकता पैदा करना, प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य है। आपदा के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करना तथा समय–समय पर उत्तराखण्ड शासन को आपदा प्रबन्ध को सुदृढ़ बनाये जाने हेतु सुझाव प्रेषित करना भी प्रकोष्ठ का महत्वपूर्ण कार्य है।
- विभिन्न विषयों पर मॉड्यूल तैयार करना, जैसे – आपदा प्रबन्धन एवं जेण्डर, मनोवैज्ञानिक सुझाव एवं प्राथमिक सहायता, आपदा प्रबन्धन एवं जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबन्धन एवं भूकम्प सुरक्षित निर्माण इत्यादि।
- आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में क्षमता विकास करना।
- आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित कौशल व ज्ञान का प्रसार करना तथा विभिन्न विभागों में विभागीय अधिकारियों व सार्वजनिक क्षेत्रों में स्वयं सेवकों एवं क्षेत्र प्रतिनिधियों को आपदा प्रबन्धन हेतु प्रशिक्षित करना।
- आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित अध्ययनों का अभिलेखीकरण तथा उसके अनुरूप पुस्तिकाओं का प्रकाशन।
- प्राकृतिक आपदाओं के प्रबन्धन हेतु पठन सामग्री, जैसे– भूकम्प, भूस्खलन, अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक सहायता, मौसम परिवर्तन एवं सड़क दुर्घटना आदि का सम्पादन एवं प्रकाशन का कार्य करना।
- राष्ट्रीय विद्यालय सुरक्षा योजना के अन्तर्गत विद्यालय सुरक्षा हेतु समय–समय पर अध्यापकों व विद्यार्थियों को मॉकड्रिल एवं अभ्यास के माध्यम से जागरूक करना।
- विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों हेतु समय–समय पर आपदा के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाओं को आयोजित करना, जैसे–भूस्खलन, जंगल की आग, त्वरित बाढ़, खोज–बचाव, प्राथमिक

सहायता, विद्यालय सुरक्षा, मानसिक विकार, तनाव प्रबंधन, भूकम्प सुरक्षित भवन निर्माण तकनीक, आपदा जोखिम न्यूनीकरण इत्यादि।

- जनपद/तहसील/विकास खण्ड स्तर पर आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित कार्यशालाओं का आयोजन करना, जिससे प्रत्येक जन समुदाय आपदा प्रबन्धन के प्रति जागरूक रहे।

Training Programmes

S. No.	Name of the Training Programme	Duration	From	To	Course Director / Coordinator	No. of Participants
1.	DRR Awareness and Importance of Early Warning and Communication (Outreach-Rudraprayag)	02-Days	15.05.2023	16.05.2023	Dr. Om Prakash	30
2.	DRR Awareness and Importance of Supply Chain Management (Outreach-Uttarkashi)	02-Days	29.05.2023	30.05.2023	Dr. Om Prakash	63
3.	Child centric Disaster Risk Reduction	01-Week	05.06.2023	09.06.2023	Dr. Om Prakash	46
4.	School Safety Plan and Auditing	01-Week	19.06.2023	23.06.2023	Dr. Om Prakash	60
5.	Disaster Management Awareness Programme: Disaster Risk Reduction Outreach-Pithoragarh	02-Days	22.06.2023	23.06.2023	Dr. Om Prakash	48
6.	Important Dimensions of Disaster Management Outreach-Almora	02-Days	26.06.2023	27.06.2023	Dr. Om Prakash	45
7.	School Disaster Management Plan Outreach-Champawat	02-Days	18.07.2023	19.07.2023	Dr. Om Prakash	48
8.	School Disaster Management Plan Outreach-Nainital	02-Days	24.07.2023	25.07.2023	Dr. Om Prakash	45
9.	Important Dimensions of Disaster Management Outreach-US Nagar	02-Days	07.08.2023	08.08.2023	Dr. Om Prakash	52
10.	Important Dimensions of Disaster Management Outreach-Nainital	02 Days	28.08.2023	29.08.2023	Dr. Om Prakash	50
11.	Disaster Management early warning system and communication	03-Days	18.09.2023	20.09.2023	Dr. Om Prakash	27

12.	International Day for Risk Reduction: Art Competition for Children	01-Day	10.10.2023	10.10.2023	Dr. Om Prakash	39
13.	Urban Disaster Risk Mitigation: Making Cities Resilience	03-Days	19.10.2023	21.10.2023	Dr. Manju Pandey	33
14.	Climate Change adoption & Disaster Risk Reduction for resilient future (National Workshop)	02-Days	02.11.2023	04.11.2023	Dr. Om Prakash	114
15.	GIS : Development and its Application in Governance	03-Days	14.12.2023	16.12.2023	Dr. Priyanka Tyagi	26
16.	Post Disaster Needs Assessment (PDNA): Disaster Recovery Practices	3-Days	28.12.2023	30.12.2023	Dr. Om Prakash	51
17.	Basics of remote sensing & GIS application	03-Days	20.01.2024	22.01.2024	Dr. Om Prakash	26
18.	Child centric disaster Risk Reduction	03-Days	29.01.2024	02.02.2024	Dr. Om Prakash	35
19.	One day workshop on Education and Child protection in Disaster Management	01-Day	02.02.2024	02.02.2024	Dr. Om Prakash	60
20.	Use of Remote Sensing & GIS application in Hazards and vulnerability mapping	03-Days	20.02.2024	22.02.2024	Dr. Om Prakash	30
21.	Disaster Management: Incident response system (IRS)	03-Days	20.02.2024	22.02.2024	Dr. Om Prakash	31
22.	Sustainable Development: Himalayan Knowledge Network	02-Days	05.03.2024	06.03.2024	Dr. Om Prakash	67
Total number of Participants						**1026**

2. संकाय द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभागिता का विवरणः–

S. No.	Name of Faculty	Name of the Programme	Date/ Duration	Organised by
1	Dr. Om Prakash, Incharge-DMC	6th World Congress on Disaster Management (WCDM)	28 Nov.-01 Dec 2023	USDMA & UCoST, Dehradun

2	Dr. Manju Pandey, Assistant Professor	Capacity Civil Servants at Municipal Level on S Green and Low Carbon Smart Cities in Uttarakhand	10-13 July 2023	Urban Development Cell, Dr. RSTUAoA, Nainital
		6th World Congress on Disaster Management (WCDM)	28 Nov.-01 Dec 2023	USDMA & UCoST, Dehradun
		Post Disaster Needs Assessment (PDNA)	11-13 Dec.2023	USDMA, Dehradun
3	Dr. Priyanka Tyagi, Research Officer	Post Disaster Needs Assessment	03-02 July 2023	NIDM, New Delhi
		Information, Education & Communication	20-22 Dec. 2023	KRC, Dr. RSTUAoA, Nainital

2. आलोच्य वर्ष 2023–24 में प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियाँः–

- प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 06 से 07 नवम्बर, 2023 की अवधि में Climate Change Adaptation & Disaster Risk Reduction for Resilient Future तथा दिनांक 05 से 06 मार्च, 2024 की अवधि में Sustainable Development: Himalayan Knowledge Network विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त दिनांक 02 फरवरी, 2024 को Education & Child Protection in Disasters Emergencies विषयक कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।
- गृह मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व में जोशीमठ आपदा प्रभावित क्षेत्र का Post Disaster Needs Assessment (PDNA) किये जाने हेतु डॉ० मंजू पाण्डे, सहायक आचार्य तथा डॉ० प्रियंका त्यागी, शोध अधिकारी द्वारा टीम सदस्यों के रूप में प्रतिभाग किया गया।

3. भविष्य की रणनीतियाँ/उद्देश्यः–

- आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली एवं डी.ओ.पी.टी. भारत सरकार से प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन।
- विभिन्न कार्यशालाओं/सेमिनारों का आयोजन।

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स

उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) एक स्वायत्तशासी एवं स्ववित्तपोषित संस्था के रूप में सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत की गयी है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के संगठनात्मक ढांचे में बार्ड आफ गवर्नस के अध्यक्ष के रूप में मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, निदेशक/महानिदेशक अकादमी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में, संयुक्त निदेशक पदेन सचिव के रूप में तथा संयुक्त निदेशक (वित्त) पदेन वित्त नियंत्रक के रूप में योगदान प्रदान करते हैं। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परियोजना आधारित कार्यक्रमों का निष्पादन करना है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् हैं:–

- शासकीय विभागों के साथ मिलकर माँग के आधार पर अभिशासन में सुधार के मुख्य बिन्दुओं को चिन्हित करना, उनका समाधान करना तथा कार्ययोजना तैयार करना एवं उस कार्ययोजना को लागू करवाना।
- राज्य तथा स्थानीय प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अभिशासन में सुधार तथा प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में अभिकल्पन, शोध एवं कार्ययोजना बनाने तथा उन्हें लागू कराने में परामर्श एवं सुझाव देना।
- शासकीय सुधारों के क्षेत्र में अच्छे कार्यों का अध्ययन तथा उनको अभिलिखित करना, अभिशासन में सुधार तथा ई–गवर्नेन्स के क्षेत्र में अब तक हुए अच्छे कार्यों तथा सुधार के साधनों को संकलित करना।
- उन क्षेत्रों को चिन्हित करना जो सरकार के क्रियाकलापों तथा नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं तथा जिनसे जन अपेक्षाओं के अनुरूप बदलाव लाया जा सकता है।
- शासन के लक्ष्यों, उद्देश्यों तथा नीतिगत प्राथमिकताओं को ठोस सुधार के रूप में अनूदित करना तथा शासन के लिए थिंक–टैंक के रूप में कार्य करना।
- माँग के आधार पर विकासात्मक प्रशासन हेतु उपयुक्त अवसर सृजित एवं उपलब्ध कराना जिससे ज्ञान, कौशल एवं अभिवृत्ति तथा अनुभव का विकास एवं उच्चीकरण

किया जा सके। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत निम्नलिखित सात परियोजना प्रबन्धन इकाईयाँ (Project Management Units) कार्यरत हैं :–

1.	प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफारमेन्स बजटिंग प्रकोष्ठ
2.	ई–गवर्नेन्स प्रकोष्ठ
3.	प्रलेखन एवं समन्वय प्रकोष्ठ
4.	शहरी विकास प्रकोष्ठ
5.	की–रिसोर्स सेन्टर : पेयजल एवं स्वच्छता
6.	बौद्धिक सम्पदा एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ
7.	जेन्डर प्रकोष्ठ

वर्तमान में महानिदेशक, डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं तथा संयुक्त निदेशक (प्रशासन), सचिव एवं उप निदेशक (वित्त) द्वारा वित्त नियन्त्रक के दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न इकाईयों में परियोजनाओं के संचालन तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए समन्वयक तथा परियोजना प्रबन्धकों को विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ के रूप में अनुबंधित किया गया है, जो अकादमी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स में कार्यरत संकाय सदस्यों को अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता एवं पर्याप्त अनुभव प्राप्त है तथा उनके द्वारा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग करके प्रशिक्षक के रूप में भी विशेषज्ञता प्राप्त की गई है।

(1) प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफॉरमेन्स बजटिंग इकाई

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत इस इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई का मुख्य कार्य शासकीय विभागों के साथ मिलकर माँग के आधार पर अभिशासन में सुधार के मुख्य बिन्दुओं को चिन्हित करना, समाधान करना तथा कार्ययोजना तैयार करना एवं उस कार्य योजना को लागू करवाना है। इसके अलावा यह इकाई राज्य तथा स्थानीय प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अभिशासन में सुधार तथा प्रशासनिक

सुधार के क्षेत्र में अभिकल्पन, शोध, एवं कार्ययोजना बनाने तथा उन्हें लागू कराने में परामर्श एवं सुझाव देने का कार्य भी करती है।

(2) ई–गवर्नेन्स इकाई

सूचना तकनीकी का प्रसार अप्रत्याशित गति से हो रहा है। सभी अभिकरणों एवं संस्थाओं को कम्प्यूटरीकृत करने की ओर अग्रसर होना आवश्यक हो गया है, साथ ही किसी भी स्तर के कार्मिक के लिये कम्प्यूटर पर कार्य करने की क्षमता एक पूर्वापेक्षा बन गई है। निर्णय प्रक्रियाओं के समय से सम्पादित होने के लिये आवश्यक है कि पूर्ण सूचनाएँ न्यूनतम समय में प्राप्त हो सकें, और इस रूप में प्राप्त हों कि उनका विश्लेषण यथासमय किया जा सके। राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति, 1996 के अनुरूप सभी के लिये प्रशिक्षण तथा सरकारी कार्मिकों हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण के उद्देश्य से इस पी.एम.यू. द्वारा प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत गठित ई–गवर्नेन्स इकाई के द्वारा कम्प्यूटर एप्लीकेशन, डिजिटल इण्डिया, ई–गवर्नेन्स इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के न केवल अधिकारीगण वरन अन्य कार्मिकों को भी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलता है। आलोच्य वर्ष में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	E-Governance: Framework & Initiatives	03-Days	29.5.2023	31.5.2023	Meenu Pathak	37
2.	E-Governance: Data Visualization and Open data Concept	03 Days	05.6.2023	7.6.2023	Meenu Pathak	37
3.	E- Governance: Emerging Technologies (Block chain, IOT, 5G, Open-Forge etc.)	03 Days	24.8.2023	26.8.2023	Meenu Pathak	31
4.	E- Governance: It Act, Cyber Crime & Security Measures at workplace.	03 Days	28.8.2023	30.8.2023	Meenu Pathak	25
5.	E-Governance: Government Process re-engineering issues & Challenges	03 Days	5.10.2023	7.10.2023	Meenu Pathak	23
6.	E-Governance: Cloud Computing and cloud Infrastructure	03 Days	28.11.2023	30.11.2023	Meenu Pathak	15
Total number of Participants						**168**

(3) प्रलेखन एवं समन्वय इकाई

सूचना का संकलन और संप्रेषण डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल की एक प्रमुख गतिविधि है, अतः सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं व कार्यक्रमों की गतिविधियों के सुव्यवस्थित अभिलेखन हेतु प्रलेखन इकाई की स्थापना की गई है। इसके संचालन का दायित्व पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र को सौंपा गया है। प्रलेखन इकाई द्वारा सेन्टर फार गुड गवर्नेन्स की विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों के अभिलेखीकरण में गुणवत्ता व एकरूपता बनाये रखने के साथ–साथ प्रकाशन हेतु परामर्श व तकनीकी सहायता भी दी जाती है तथा विभिन्न प्रलेखों के प्रकाशन, विक्रय और रखरखाव का भी कार्य किया जा रहा है। प्रलेखन इकाई द्वारा प्रकाशनों को अलग–अलग श्रृंखला के रूप में प्रकाशित किया जाता है। इन प्रकाशनों को प्रकाशित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि प्रदेश के अधिकारियों में विवेचन तथा विचारों का प्रवाह होता रहे। सी.जी.जी. द्वारा प्रकाशित विभिन्न साहित्य के मुद्रण, सम्पादन व विक्रय की सम्पूर्ण व्यवस्था का समन्वय पी.एम.यू. प्रलेखन द्वारा सम्पादित किया जाता है। स्थापना से लेकर अब तक 90 से अधिक प्रलेखों का प्रकाशन व वितरण किया गया है। प्रलेखन इकाई द्वारा अकादमी में स्थापित फोटो कॉपियर मशीन का सर्विस अनुबन्ध मैसर्स आई0सॉफ्ट, नैनीताल के साथ कर फोटोकापी कार्य पर नियन्त्रण तथा मशीनों के रख–रखाव तथा उपभोग्य सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। उक्त के अतिरिक्त प्रति वर्ष विभिन्न विभागों/संस्थाओं इत्यादि द्वारा माँग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला इत्यादि अकादमी में निरन्तर रूप से आयोजित किये जाते रहते हैं, जिनके समन्वय एवं संचालन का कार्य प्रलेखन एवं समन्वय इकाई के अन्तर्गत किया जाता है। आलोच्य वर्ष में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Exposure cum Training Programme for Administrative Officers-Grade-I of Madhya Pradesh	01-Week	17.04.2023	21.04.2023	Dinesh Kumar Rana	22
2.	Training Programme for Assistant Gram Panchayat Vikas Officers	01-Week	03.07.2023	07.07.2023	Sudhir Kumar	34
3.	TNA Panchayati Raj	03-Days	01.08.2023	03.08.2023	Dr. Mahesh Kumar	46

4.	Training For Employees of Homeopathic Department Uttarakhand	06-days	21.08.2023	26.08.2023	Dinesh Kumar Rana	18
5.	Training Programme of Homeopathic Doctors	06-days	11.09.2023	15.09.2023	Sudhir Kumar	25
6.	06 days Capacity Building & Training Programme for Group B Medical Officers of Homeopathic Department	06-days	16.10.2023	21.10.2023	Dinesh Kumar Rana & Poonam Pant	27
7.	Capacity Building Training Program for Employees of Transport Department-Uttarakhand	03-Days	20.11.2023	22.11.2023	Sudhir Kumar	22
8.	Certification Programme for Assistant Returning Officer (ARO) for Lok Sabha General Election-2024 by Election Commission of India (Batch-I)	05-days	27.11.2023	01.12.2023	Sudhir Kumar and Poonam Pant	36
9.	Executive Development Programme for AIR/Doordarshan (NABM)	05-days	27.11.2023	01.12.2023	Dr. Mahesh Kumar	20
10.	Capacity Building Training Program for Employees of Transport Department-Uttarakhand	03-Days	28.11.2023	30.11.2023	Sudhir Kumar	23
11.	Certification Programme for Assistant Returning Officer (ARO) for Lok Sabha General Election-2024 by Election Commission of India (Batch-II)	05-Days	12.12.2023	16.12.2023	Dr. Mahesh Kumar and Sudhir Kumar	68
12.	Financial and Administrative Training for Pharmacists of Ayurvedic and Unani Services Department, Uttarakhand	03-Days	18.12.2023	20.12.2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	47

13.	Financial and Administrative Training for Pharmacists of Ayurvedic and Unani Services Department, Uttarakhand	03-Days	08.01.2024	10.01.2024	Dr. Deepa Mehra Rawat	50
14.	Training programme for officers of Panchayati Raj Department	03-Days	10.01.2024	12.01.2024	Sudhir Kumar	30
15.	Capacity Building & Training Programme for Group B" Medical Officers of Homeopathic Department	06-Days	15.01.2024	20.01.2024	Poonam Pant	27
16.	Financial and Administrative Training for Pharmacist of Ayurvedic and Unani Services Department, Uttarakhand	03-Days	22.01.2024	24.01.2024	Dr. Deepa Mehra Rawat	48
17.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 for UPCL Officers and Employees-Dehradun	02-Days	02.02.2024	03.02.2024	Dr. Deepa Mehra Rawat	42
18.	Financial and Administrative Training for Pharmacists of Ayurvedic and Unani Services Department, Uttarakhand	03-Days	12.02.2024	14.02.2024	Dr. Deepa Mehra Rawat	54
19.	Workshop on "Leadership Development" (UJVN)	03-Days	26.02.2024	28.02.2024	Dr. Mahesh Kumar	28
20.	Capacity Building Training Programme for Assistant Development Officer	05-Days	26.02.2024	01.03.2024	Sudhir Kumar	37
21.	Training cum Study tour of Combined Foundation Course 1st Batch Trainee Officers of BIPA&RD	06-Days	11.03.2024	16.03.2024	Dr. Anil Kumar Mishra	65

22.	Capacity Building Training Programme for Pharmacist of Homeopathic Department, Uttarakahnd	03-Days	18.03.2024	20.03.2024	Poonam Pant	30
23.	Training cum Study tour of Combined Foundation Course 2nd Batch Trainee Officers of BIPA&RD	06-Days	28.03.2024	02.04.2024	Dr. Anil Kumar Mishra	64
Total number of Participants						**863**

4. शहरी विकास प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ की परिकल्पना एवं स्थापना शहरी विकास तथा प्रबन्धन के सन्दर्भों में मानव संसाधन विकास हेतु प्रशिक्षण, शोध एवं अभिलेखन गतिविधियों के आयोजन तथा विशेषज्ञतापूर्ण परामर्शदात्री इकाई के रूप में की गयी। प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नगरीय प्रबन्धन में बढ़ती भूमिका तथा नगरीय प्रबन्धन से जुड़े विभिन्न कार्यदायी विभागों, अभिकरणों व संस्थानों के अधिकारियों व कार्मिकों सहित निर्वाचित शहरी निकाय प्रतिनिधियों के लिये क्षमता संवर्धन की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 1995 में हड्को चेयर (शहरी विकास प्रकोष्ठ) का गठन आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम 'हड्को' के मानव बसाव प्रबन्धन संस्थान (एच.एस.एम. आई.), नई दिल्ली के सहयोग से उत्तर प्रदेश (अब उत्तराखण्ड) प्रशासन अकादमी, नैनीताल स्थित सेन्टर फॉर डेवलपमेन्ट स्टडीज के अन्तर्गत किया गया था। हड्को चेयर की गतिविधियों को अकादमी अन्तर्गत सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत नियमित करते हुए संचालित किया गया। हड्को चेयर के उपरांत शहरी विकास प्रकोष्ठ द्वारा निम्नलिखित संस्थानों के साथ गतिविधियां संचालित की जा रही है।

1. प्रकोष्ठ, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा संचालित AMRUT 2.0, NULM एवं PMAY योजनाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन हेतु एकीकृत क्षमता संवर्धन फ्रेमवर्क के अंतर्गत सूचीबद्ध प्रशिक्षण इकाई है।

2. प्रकोष्ठ, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा क्षमता संर्वधन की गतिविधियों हेतु स्वच्छता नोलेज पार्टनर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम किये जायेंगे।
3. प्रकोष्ठ WASHi के साथ भी स्वच्छता के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य क्षमता संवर्धन गतिविधियॉ संचालित करने हेतु अनुबंध स्थापित कर चुका है और वर्ष 2024–25 हेतु कार्ययोजना तैयार की जा रही है।
4. प्रकोष्ठ द्वारा GIZ, WB द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम किये जायेंगे।
5. NIUA से SCBP Platform के अंतर्गत स्वच्छता एवं FSSM से संबंधित गतिविधियों की जायेंगी।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निम्नांकित विशिष्ट उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं :

1. प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में आवासीय, शहरी विकास एवं प्रबन्धन के कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने में शहरी निकायों तथा अन्य कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यकतानुसार अपेक्षित सहयोग प्रदान करना तथा इस हेतु कार्यरत अधिकारियों, कार्मिकों एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों में अपेक्षित ज्ञान तथा कौशल विकास हेतु क्षमता विकास कार्यक्रमों का नियोजन एवं क्रियान्वयन।
2. राष्ट्रीय प्राथमिकताओं तथा नगरीय सुधारों के सन्दर्भ में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिकाओं को समबद्ध किये जाने हेतु प्रयास।
3. उपरोक्त उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए सहायक गतिविधियों जैसे शोध, प्रलेखन, प्रशिक्षण, पाठ्क्रमों का विकास तथा प्रसार करना आदि।
4. नगरीय विकास एवं इससे सन्दर्भित क्षमता विकास कार्यों को बढ़ाये जाने एवं बेहतर गुणवत्ता प्राप्ति के उद्देश्य से राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों के साथ सम्पर्क स्थापना (नैटवर्किंग) करना।

उपरोक्त वर्णित लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रकोष्ठ द्वारा मुख्य रूप से निम्नांकित गतिविधियों का संचालन एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है:

- शहरी विकास तथा प्रबन्धन हेतु कार्यरत विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के क्षमता विकास को लक्षित करते हुए प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन एवं तद्नुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियोजन व संचालन।

- आवश्यकता आधारित एवं लक्ष्य पूर्तिपरक प्रशिक्षण पाठ्क्रमों का विकास जिनमें ज्ञान व कौशल विकास के साथ ही अभिवृत्ति परिवर्तन भी समावेशित है।
- चतुर्मुखी व व्यवस्थापरक सिद्धान्त प्रशिक्षण कार्यशैली।
- शासन, कार्यदायी विभागों, संस्थाओं, संगठनों, स्थानीय निकायों, जनता तथा विषय विशेषज्ञों के मध्य परस्पर समन्वय कार्य तथा शासन व स्थानीय प्रशासन को नीति व रणनीति बनाने में अपेक्षानुसार सहायता/सलाह प्रदान करना।
- महिलाओं एवं शहरी गरीबों के सशक्तीकरण सम्बन्धी प्रयास तथा इनके विकास से सम्बन्धित कार्यक्रमों में भागीदार अधिकारियों व कार्मिकों के क्षमता संवर्धन हेतु प्रयास।
- शोध कार्य जो क्षमता विकास तथा लोकहित से सन्दर्भित व सम्बन्धित हों।
- राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शहरी विकास के क्षेत्र में किये जा रहे बेहतर व सफल प्रयासों का प्रलेखन व प्रसार।
- शहरी विकास से जुड़े हुये समस्त अधिकारियों को सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन पर कौशल प्रदान करना।

आयोजित प्रशिक्षण

S. N.	Name of the Training Programme	Duration	From	To	Course Director / Coordinator	No. of Participants
1.	Conclave on Urbanization and development in fragile mountain ecosystems	02-Days	05.04.2023	06.04.2023	Manoj Pande	165
2.	Managing Urban Rivers: From Planning to Practice	02-Days	15.06.2023	16.06.2023	Manoj Pande	23
3.	Master Trainers of Training on Green Economy -UNDP Workshop	03-Days	10.07.2023	12.07.2023	Manoj Pande	17
4.	Refresher Training on River Basin Management	03-Days	04.09.2023	06.09.2023	Manoj Pande	32
Total number of Participants						**221**

संकाय द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभाग का विवरण।

S. N.	Training Programme	Date	State	Faculty
1.	Swachhata Knowledge Partners (SKPs) with the Swachh Bharat Mission (Urban U 2.0 (Onboarding Meeting for the Empaneled SKPs)	19th Dec., 2023	New Delhi	Manoj Pande
2.	NPTEL Online Certification Municipal Solid Waste Management	July to Oct., 2023 (12 week Course)	NPTEL	Manoj Pande

आलोच्य वर्ष 2023–24 में इकाई/प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियॉ।

- ✓ शहरी विकास प्रकोष्ठ द्वारा वर्ल्ड बैंक, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय एवं शहरी निदेशालय, उत्तराखण्ड के साथ Conclave on Urbanization and Development in Fragile Mountain Ecosystems का आयोजन किया गया। जिसमें देश एवं विदेश से प्रतिभागियों एवं विशिष्ठ वार्ताकारों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- ✓ WASHi के साथ MoU हस्ताक्षर किया गया जिसके अंतर्गत स्वच्छता के क्षेत्र में विभिन्न क्षमता संवर्धन कार्य किये गयें WASHi के सहयोग से SBM 2.0 अतंर्गत CSAP तैयार करने हेतु कुमॉऊ एवं गढ़वाल मंडल के शहरी निकायों में कार्यरत अधिकारियों के लिये कार्यशाला की गई।
- ✓ UNDP/IIFM भोपाल द्वारा प्रायोजित Green Economy को मुख्य धारा में लाने के लिये सरकारी क्षमताओं के विकास के लिये प्रशिक्षण किया गया।
- ✓ GIZ/ National Mission for Clean Ganga, NMCG द्वारा RBM, River Basin Management पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संबंधित इकाई की भविष्य की रणनीतियॉ/उद्देश्य/प्रशिक्षण गतिविधियों संबंधित जानकारियॉ

- WASHi के साथ वर्ष 2024–25 के अंतर्गत शोध एवं प्रलेखन कार्य शहरी निकायों को स्वच्छता परियोजना कार्यान्वित करने में सहयोग प्रदान एवं प्रशिक्षण कार्य किये जाने है।
- शहरी क्षेत्रों में कार्यरत विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ नेटवर्क स्थापित किया जायेगा जिस हेतु संस्थानों के साथ अनुबंध किया जायेगा।
- NIUA के साथ SCBP framework के अंतर्गत अनुबंध विस्तारित करने हेतु प्रक्रिया शुरू की जायेगी।

- भारत सरकार के आवासीय एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत एकीकृत क्षमता संवर्धन कार्यक्रम मध्य प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्य के साथ पुनः अनुबंध स्थापित किये जायेंगे।
- Swachhata Knowledge Partners (SKPs) with the Swachh Bharat Mission (Urban U 2.0) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय क्षमता संवर्धन फ्रेमवर्क के अंतर्गत cmpanclled किया गया है, और इसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों के साथ क्षमता संवर्धन के कार्यक्रम किये जायेंगे।

5. की–रिसोर्स सेन्टर

की–रिसोर्स सेन्टर, सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, डा0 आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल।

उद्देश्य :

- पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में अध्ययन, मूल्यॉकन, समीक्षा एवं शोध कार्यों का प्रस्ताव बनाना तथा क्रियान्वित करना।
- पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, समुदाय आधारित संगठनों, पंचायत राज संस्थाओं तथा व्यक्तिगत सलाहकारों के लिए क्षमता संवर्धन की आवश्यकताओं को चिन्हित करना।
- आवश्यकतानुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करना।
- जल–जीवन–मिशन द्वारा समय–समय पर निर्देशानुसार प्रशिक्षण प्रदान करना।
- पेयजल एवं स्वच्छता सेक्टर में राज्य स्तरीय मानव संसाधन विकास एवं सूचना, शिक्षा एवं संचार की रणनीति तथा कार्ययोजना विकसित करना।
- पेयजल एवं स्वच्छता सेक्टर हेतु कार्यशालाएँ, सेमिनार, सम्मेलन आयोजित करना।

- **आलोच्य वर्ष (2023–2024) में संचालित विभिन्न नवीन गतिविधियों का विवरण :**
  - जल–जीवन–मिशन के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर आठ लेवल–02 एवं दो लेवल – 02 कार्यक्रमों का आयोजन जिसमें हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, त्रिपुरा, तमिलनाडु एवं हरियाणा द्वारा प्रतिभाग किया गया।
  - अन्य राज्यों – मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मेघालय, छत्तीसगढ़ एवं हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
  - जल–जीवन–मिशन के अन्तर्गत कुल 10 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
  - जल–जीवन–मिशन के अन्तर्गत कुल 340 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।
  - जल–जीवन–मिशन ान के अन्तर्गत ट्रेनिंग पोर्टल हेतु पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
  - जल–जीवन–मिशन के अन्तर्गत ट्रेनिंग पोर्टल में सभी संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गयी।

- ITCN के अन्तर्गत ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के चार मॉडयूल्स द्वारा दिनांक 27 अप्रैल, 2023 से 1 मई, 2023 तक विभिन्न नगर निकाय के प्रतिनिधियों हेतु प्रशिक्षण दिया गया।
- Grey Water Management, FSSM, Compressed Biogas- CBG, Plastic Waste Management प्रशिक्षण हेतु प्रस्ताव तैयार कर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली एवं स्वजल उत्तराखण्ड को भेजा गया।
- Springshed Management and Operation and Maintenance (O&M) of Rural Water Supply for PRI's and Staff of Uttarakhand State Water and Sanitation Mission (SWSM) प्रशिक्षण हेतु प्रस्ताव तैयार कर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, उत्तराखण्ड को भेजा गया।
- के.आर.सी. द्वारा Water Budgeting हेतु संशोधित प्रस्ताव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, उत्तराखण्ड को भेजा गया।
- "दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDUGKY)" हेतु प्रस्ताव, अध्ययन परिकल्प, सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली के प्रारूप एवं वित्तीय प्रस्ताव तैयार कर नियोजन विभाग को भेजा गया।
- Centre for Public Policy and Good Governance (CPPGG) - Statistics Strengthening Project के अन्तर्गत कुल 05 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

- **संकाय द्वारा किसी प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया गया हो तो उसका विवरण :**

  - NIUA द्वारा एक दिवसीय Training Module Review Committee (TMRC), नई दिल्ली में प्रतिभाग किया गया।
  - WASHi द्वारा Designing Effective WASH Training Workshop जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।
  - नियोजन विभाग द्वारा ली गयी Virtual बैठकों में मूल्यांकन अध्ययन हेतु प्रतिभाग किया गया एवं परिकल्प, समय–रेखा, वित्तीय प्रस्ताव एवं सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली इत्यादि विषयों पर चर्चा की गयी।
  - AMRUT Third Party Audit (TPA) for City Beauty Competition के अंतर्गत भीमताल, भवाली, जोशीमठ, उखीमठ, अगस्तयमुनि, तिलवाड़ा, टिहरी, पिथौरागढ़ एवं चम्बा के नगर निकायों का मूल्यांकन अध्ययन किया गया।

- **आलोच्य वर्ष 2023–24 में इकाई/प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियॉ:**
    - जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र संख्या W-11012/18/2020-JJM-III-DDWS दिनांक 09 अप्रैल, 2021 द्वारा नेशनल की रिसोर्स सेन्टर (पेयजल एवं स्वच्छता), डा. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल को राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मार्च, 2024 तक Empanelment किया गया है एवं उक्त के क्रम में जल शक्ति मंत्रालय से इपेनलमेंट विस्तार हेतु सहमति मागी गयी है।
    - उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या 235/XXXI(1)-2024-ई-40198 दिनांकः 23 फरवरी, 2024 द्वारा के.आर.सी. में W.A.S.H. Cell (Water, Sanitation and Hygiene Cell) सेल के रूप में गठित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

- **सम्बधित इकाई की भविष्य की रणनीतियाँ/ उद्देश्य/ प्रशिक्षण गतिविधियों सम्बन्धी जानकारियाँ :**
    - जल–जीवन–मिशन के अन्तर्गत Annual Action Plan 2023&2024 हेतु भारत के विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों/क्षेत्र अध्ययन भ्रमण/मूल्यांकन एवं शोध कार्यो का आयोजन प्रस्तावित है जिससे की पूर्ण रूप से प्रतिभगा निश्चित किया जा सके एवं वाहय प्रशिक्षण एवं नेटर्वकिंग को बढ़ावा दिया जा सके।
    - WASH सेल के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।
    - राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तराखण्ड हेतु जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है।
    - के. आर. सी द्वारा ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता हेतु कार्य कर रही विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय सरकारी विभागों/गैर सरकारी संगठनों/शोध संस्थाओं के साथ नॉलेज मैनेजमेन्ट हेतु नेटवर्किंग को विकसित करने के लिये निरन्तर रिसर्च की जा रही है। पेयजल मंत्रालय, भारत सरकार से निरन्तर दूरभाष के माध्यम से वार्ता की जाती है, एवं प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी का आदान–प्रदान निरन्तर किया जाता है। विभिन्न संगठनों जैसे GBPHIED, कोसी कटारमल; यू.एन.डी.पी; चीराग एवं अन्य पेयजल से संबंधित काम कर रहे संगठन, Best Practices, अतिथि वार्ताकारों से समय–समय पर चर्चा कर माड्यूल को बेहतर विकसित करने हेतु प्रयास।

- जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार को वित्तीय वर्ष 2024–2025 हेतु 03 माह का Action Plan समयानुसार भेजा जा चुका है।
- नियोजन विभाग उत्तराखण्ड हेतु "Academic Endorsement of Various Welfare Programmes and Development" के मूल्यांकन अध्ययन हेतु संशोधित प्रस्ताव एवं प्रश्नावली भेजे गये हैं।
- Centre for Public Policy and Good Governance (CPPGG) - Statistics Strengthening Project के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित।

आलोच्य वर्ष 2023–2024 में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:–

S. No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Implementation Training Under the ITCN-Training and Capacity Building Programme MODULE-1	01-Day	27.04.2023	27.04.2023	Ragini Tewari	8 Online
2.	Implementation Training Under the ITCN-Training and Capacity Building Programme MODULE-2	01-Day	28.04.2023	28.04.2023	Manoj Pande	8 Online
3.	Implementation Training Under the ITCN-Training and Capacity Building Programme MODULE-3	01-Day	29.04.2023	29.04.2023	Dr. Manju Pandey	8 Online
4.	Implementation Training Under the ITCN-Training and Capacity Building Programme MODULE-4	01-Day	01.05.2023	01.05.2023	Ragini Tewari	8 Online
5.	Workshop/Faculty Development Programme on Capacity Building for University Teachers / Researchers / Scientists	01-Day	03.10.2023	03.10.2023	Dr. Anil Kumar Mishra	24
6.	Impact of Climate Change in Water Availability: Challenges and Solutions	02 Days	14.09.2023	15.09.2023	Ragini Tewari	18
7.	Spring shed Rejuvenation and Sustainability Role of Participatory Approach Level-I	03 Days	15.02.2024	17.02.2024	Ragini Tewari	39

8.	Impact Climate Change on Water Availability Challeges and Solutions-Level-1	02 Days	22.02.2024	23.02.2024	Ragini Tewari	20
9.	Change Management Approach in Rural Water Supply for Optimization of O&M	03 Days	26.06.2023	28.06.2023	Ragini Tiwari	28
10.	Source Sustainability Interventions: Effective Ground Water Recharge and Protection of Catchment Areas	03 Days	26.07.2023	28.07.2023	Ragini Tiwari	51 Outreach-MP-Bhopal
11.	Change Management Approach in Rural Water Supply for Optimization of O&M	03 Days	04.09.2023	06.09.2023	Dr. A.K. Mishra	39
12.	Source Sustainability Interventions: Effective Ground Water Recharge and Protection of Catchment Areas	03 Days	12.10.2023	14.10.2023	Ragini Tiwari	44 Outreach-Lucknow
13.	Change Management Approach in Rural Water Supply for Optimization of O&M	03 Days	28.11.2023	30.11.2023	Ragini Tiwari	38 Outreach-Meghalaya
14.	Spring shed Rejuvenation and Sustainability Role of Participatory Approach	03 Days	22.01.2024	24.01.2024	Ragini Tiwari	27 Outreach Dehradun
15.	Training on Data Ecosystem: Survey Design, Research Methodology, Sample Selection etc.	05- Days	30.10.2023	03.11.2023	Dr. A.K. Mishra	19
16.	Training on Data Ecosystem: Survey, Design, Research Methodology, Sample Selection etc.	05- Days	11.12.2023	15.12.2023	Dr. A.K. Mishra	27
17.	Training on Data Ecosystem: Survey Design, Research Methodology, Sample Selection etc.	05- Days	18.12.2023	20.12.2023	Dr. A.K. Mishra	23
18.	Training on Advanced Excel and Data Analysis	05- Days	08.01.2024	12.01.2024	Dr. A.K. Mishra	22
19.	Survey Design	03- Days	18.01.2024	20.01.2024	Dr. A.K. Mishra	17
Total number of Participants						**468**

(6) बौद्धिक सम्पदा एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ

इस इकाई के अन्तर्गत अकादमी तथा सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 के क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किये गये है। आलोच्य वर्ष में डी0ओ0पी0टी0 भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित Improving Transparency and Accountability in Government through Effective Implementation of R'TI Act-2005 परियोजना के अन्तर्गत एवं सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 विषय पर उत्तराखण्ड राज्य के समस्त जिलों में कुल 09 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण प्रभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित Improving Transparency and Accountability in Government through Effective Implementation of RTI Act-2005 परियोजना के अन्तर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 विषय पर अकादमी में तथा अकादमी से बाहर जनपद स्तर पर नोडल अधिकारियों द्वारा आयोजित किये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम :–

S. No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	ToT : Right to Information Act-2005	2-Days	20.11.2023	22.11.2023	Dr. Mahesh Kumar	21 Dr. RSTUAoA
2.	Right to Information Act-2005	2-Days	23.01.2024	24.01.2024	Dr. Mahesh Kumar	66 Pauri
3.	Right to Information Act-2005	2-Days	29.01.2024	30.01.2024	Dr. Mahesh Kumar	50 Bageshwar
4.	Right to Information Act-2005	2-Days	30.01.2024	31.01.2024	Dr. Mahesh Kumar	50 Chamoli
5.	Right to Information Act-2005	2-Days	31.01.2024	01.02.2024	Dr. Mahesh Kumar	45 Nainital
6.	Right to Information Act-2005	2-Days	08.02.2024	09.02.2024	Dr. Mahesh Kumar	50 Pithoragarh
7.	Right to Information Act-2005	2-Days	14.03.2024	15.03.2024	Dr. Mahesh Kumar	50 Chapmawat
Total Participants						**332**

उपरोक्त के अलावा सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 विषय पर जनपद हरिद्वार तथा उधमसिंह नगर में 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये :–

S. No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Right to Information Act-2005	1-Day	19.12.2023	19.12.2023	Dr. Mahesh Kumar	72 Haridwar
2.	Right to Information Act-2005	1-Day	23.1.2024	23.1.2024	Dr. Mahesh Kumar	48 Udham Singh Nagar
Total Participants						**120**

सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 विषयक मार्ग–दर्शिकाओं का मुद्रण :

कार्मिक एवं प्रशिक्षण प्रभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित Improving Transparency and Accountability in Government through Effective Implementation of RTI Act-2005 परियोजना के अन्तर्गत प्रतिभागियों को वितरित किये जाने हेतु सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 विषयक 1000 मार्ग–दर्शिकाओं का मुद्रण भी प्रकोष्ठ द्वारा किया गया है।

इकाई द्वारा किया गया नवाचारः

आई0पी0आर0 प्रकोष्ठ हेतु क्रय किये गये मोबाईल में एक व़ॉट्सॅप् ग्रुप का निर्माण किया गया है। जिसमें अकादमी स्तर पर समय–समय पर किये गये नवाचारों को लिंक के माध्यम से उत्तराखण्ड शासन के सचिवों एवं विभागाध्यक्षों के सम्मुख प्रस्तुत किया जाता है।

इकाई की भविष्य की रणनीतियाँ/उद्देश्य/प्रशिक्षण गतिविधियां :

प्रकोष्ठ द्वारा भविष्य में कार्मिक एवं प्रषिक्षण प्रभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित Improving Transparency and Accountability in Government through Effective Implementation of RTI Act-2005 परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा।

(7) जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ

भारतीय संविधान की आत्मा सभी के लिए समानता तथा भेदभाव रहित समाज की रचना में ही बसती है। यद्यपि संविधान में जाति, धर्म, रंगभेद के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव पूर्ण व्यवहार को अस्वीकार किया है तथा अवसरों तक सभी की पहुँच के लिए समान अवसर प्रदान करने का प्राविधान है, किन्तु वास्तविकता में महिलाओं की आधी आबादी होने के बावजूद भी अवसरों तक उनकी पहुँच बहुत कम रही है। कारणों की पडताल करने पर हमारे सामाजिक ढांचे में व्याप्त लैंगिक असमानता है, जो रीति–रिवाजों, रहन–सहन, घरेलू दिनचर्या तथा सामाजिक भूमिकाओं को तय करते समय दिखाई पड़ती है। इसी जेण्डर असमानता को दूर करने के उद्देश्य से सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है, जिसके अन्तर्गत जिला, प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थाओं/एजेन्सियों में कार्यरत महिलाओं को क्षमता विकास प्रशिक्षणों के माध्यम से साामजिक व आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में सुदृढ़ बनाने हेतु अग्रणीय प्रयास किये जा रहे है।

लक्ष्य

महिला सशक्तिकरण की सतत प्रक्रिया में महिलाओं का क्षमता विकास तथा शिक्षा, आर्थिक संसाधनों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुँच बढ़ाकर समाज में जेण्डर न्याय तथा समानता की स्वस्थ सोच का विकास करना प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

उद्देश्य

- प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन संतुलन के लाभों का समझना है।
- प्रबन्धकीय और तकनीकी कौशल के विकास करने में मदद करना तथा उन्हें अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को समझने और प्रभावी ढ़ंग से काम करने में सक्षम बनाना है।
- संतुलित जीवन शैली के लिए नियोक्ता संसाधनों के बारे में जानना।
- प्रभावी ढंग से दूरसंचार।
- अपने लिए प्रभावी कार्यविधियों का पता लगाना।
- लैंगिक समानता अपने आप में लक्ष्य है। यह समावेशी विकास और समाजों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण साधन है।
- प्रदेश की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करना।

- प्रतिभागियों को लोक प्रशासन में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवेश की चुनौतियों के विश्लेषण व समाधान की क्षमता विकसित करने में सहायता करना।
- सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी प्रशिक्षण पर आधारित गुणों एवं कौशल को विकसित करना जिससे वे कुशल प्रबन्धकों के रूप में अपने अधीनस्थों में कार्यक्षमताओं का विकास करना प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

वित्तीय वर्ष 2023–24 में आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण

प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:–

S. No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Development of Managerial/ technical Skills for supervisors of ICDS	04 Days	29.11.2023	02.12.2023	Dr. Anil Kumar Mishra	47
2.	Development of Managerial/ technical Skills for supervisors of ICDS	04 Days	04.12.2023	07.12.2023	Dr. Anil Kumar Mishra	54
3.	Development of Managerial/ technical Skills for supervisors of ICDS	04 Days	27.12.2023	30.12.2023	Dr. Anil Kumar Mishra	31
4.	Development of Managerial/ technical Skills for supervisors of ICDS	04 Days	03.01.2024	06.01.2024	Dr. Anil Kumar Mishra	33
Total number of Participants						165

राज्य शहरी विकास संस्थान

राज्य नगरीय विकास संस्थान (State Institute of Urban Development)

डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में राज्य नगरीय विकास संस्थान की स्थापना शासनादेश संख्या UD3-8/28/2022-IV-3-109443/2023, दिनांक 25 मार्च, 2023 द्वारा राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान एवं उत्कृष्ट शहरी प्रशासन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नगरीय क्षेत्रों में उत्पन्न विभिन्न समस्याओं का आधुनिक परिदृश्य में बहुआयामी माध्यम से निराकरण किये जाने एवं क्षमता संवर्धन, प्रशिक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन तथा परामर्श के उद्देश्य की पूर्ती के लिये संस्थान की स्थापना की गई है। अकादमी में सुरम्य कैम्पस में स्थित राज्य नगरीय विकास संस्थान को अकादमी के बुनियादी ढॉचे एवं अन्य सुविधाऍं और क्षमताओं का लाभ प्राप्त होता है। राज्य नगरीय विकास संस्थान को गर्वनिंग बॉडी मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड सरकार को अध्यक्षता में गठित है एवं उपाध्यक्ष अकादमी के महानिदेशक है जो राज्य नगरीय विकास संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के रूप में कार्य करते है।

राज्य नगरीय विकास संस्थान को साकार करने की यात्रा में प्रोत्साहन शहरी विकास निदेशालय द्वारा 5 करोड़ के अनुदान द्वारा हुआ जिसे चार वर्षो में समान किश्तों में वितरित किया जाना है। यह फंडिग आने वाले वर्षो के लिये एक व्यापक कार्ययोजना का मार्ग प्रशस्त करती है जिसके द्वारा अनुसंधान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, एवं एक्सपोजर विजिट जैसी गतिविधियॉ संचालित की जायेगी। राज्य नगरीय विकास संस्थान के बहुमुखी पहल को और समृद्ध करने हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकारों के मंत्रालय/विभाग एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA), राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान (NIUA), और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) से सहयोग लिया जायेगा।

उत्कृष्टता एवं नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता रखते हुए राज्य नगरीय विकास संस्थान उत्तराखण्ड एवं अन्य पर्वतीय राज्यों की परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने के लिये प्रतिबद्ध है, जिससे इन राज्यों में टिकाऊ शहरी विकास सम्भव हो सके।

संस्थान के उद्देश्य

- शहरी विकास एवं उसके प्रबन्धन के विभिन्न मुद्दों तथा चुनौतियों को पहचानना, उनका अध्ययन करना और उनका स्थानीय समाधान निकालना।
- विभाग के क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, अनुसंधान प्रलेखन तथा परामर्श और नीति निर्माण में सहायता करना।
- शहरी विकास हेतु विस्तृत विभागीय कार्य योजना बनाने तथा अपेक्षित परिणामों हेतु शहरी विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करना।
- शहरी विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रशासनिक एवं तकनीकी विशेषज्ञों और इससे सम्बन्धित अन्य संगठनों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
- प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विस्तृत कार्य योजना बनाने हेतु विभागीय समन्वय स्थापित करना।
- उक्त संस्थान शहरीकरण से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर विचार करेगा तथा स्थानीय परिस्थितियों और विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त एवं उचित समाधान खोजने में उपाय सुझायेगा।
- अन्य उद्देश्य जो समय–समय पर राज्य सरकार/गवर्निंग बॉडी द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

संस्थान की गवर्निंग बॉडी के सदस्य

क्र.स.	गवर्निंग बॉडी के सदस्य	पदनाम
1.	मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून	अध्यक्ष
2.	महानिदेशक, डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल	उपाध्यक्ष
3.	प्रमुख सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून	सदस्य
4.	निदेशक, शहरी विकास, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून	सदस्य
5.	सचिव नियोजन, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
6.	जल एवं स्वच्छता, DDWS उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून	सदस्य
7.	सचिव वित्त, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून	सदस्य
8.	सचिव ग्रामीण, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून	सदस्य
9.	सचिव कार्मिक, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून	सदस्य

संस्थान की आलोच्य वर्ष 2023–24 में इकाई/प्रकोष्ठ की गतिविधियॉ एवं विशिष्ट उपलब्धियॉः–

- ✓ राज्य नगरीय विकास संस्थान के अन्तर्गत शोध कार्य हेतु उत्तराखण्ड के पॉच शहरों– नैनीताल, हल्द्वानी, अल्मोड़ा चम्पावत एवं पौड़ी के लिये पानी की व्यवस्था, यातायात व्यवस्था एवं ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन पर आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिये Pre Study कार्यषालाओं का आयोजन किया गया एवं उसके उपरांत Post Study से संबंधी डाटा संकलन का कार्य प्रगति पर है।
- ✓ राज्य सरकार के निर्देशों के अनुपालन में City Beauty Competition के तृतीय पक्ष सत्यापन संबंधी कार्य उत्तराखड के 65 नगर निकायों में संपादित किया गया है।
- ✓ संस्थान द्वारा उत्तराखड राज्य के 33 निकायों के लिये CSAP (City Sanitation Action Plan) तैयार करने में सहायता प्रदान की गई।
- ✓ राज्य नगरीय विकास संस्थान के अन्तर्गत शहरी निकायों के अधिकारियों के लिये एक Exposure Visit Mysore में आयोजित किया गया। जिसके माध्यम से शहरी निकायों के अधिकारियों के लिये SIUD मैसूर के सहयोग से बैंगलोर एवं मैसूर शहर द्वारा Faecal Sludge एवं Septage Management एवं सम्पत्ति कर संग्रहण में नवाचार एवं अन्य विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी मिली।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम :–

S. No.	Name of the Training Programme	Duration	From	To	Course Director / Coordinator	No. of Participants
1.	SBM 2.0 and Preparation of City Sanitation Action Plan.	03-Days	22.05.2023	24.05.2023	Manoj Pande	40
2.	Pre-Study Stakeholder's Workshop: Issues and Challenges Facing Nainital and Its Environs	01-Day	21.06.2023	21.06.2023	Manoj Pande	51
3.	Pre-Study Stakeholder's Workshop: Issues and	01-Day	24.06.2023	24.06.2023	Manoj Pande	70

	Challenges Facing Pouri and Its Environs					
4.	Pre-Study Stakeholder's Workshop: Issues and Challenges Facing Almora and Its Environs	01-Day	18.08.2023	18.08.2023	Manoj Pande	48
5.	Pre-Study Stakeholder's Workshop: Issues and Challenges Facing Champawat and Its Environs	01-Day	21.09.2023	21.09.2023	Manoj Pande	45
6.	SBM-2-0 : City Sainitation Action Plan	03-Days	09.10.2023	11.10.2023	Manoj Pande	28
7.	Pre-Study Stakeholder's Workshop: Issues and Challenges Facing Haldwani and Its Environs	01-Day	27.10.2023	27.10.2023	Manoj Pande	58
8.	E-Governance and E-Office	03-Days	29.01.2024	31.01.2024	Manoj Pande	14
9.	Bio-Medical Waste Management	02-Days	19.02.2024	20.02.2024	Manoj Pande	25
10.	Exposure Visits for the Officers of Urban Local Bodies Bangalore	02-Days	05.03.2024	06.03.2024	Manoj Pande	11
11.	Taxation and Tax Assessment	03-Days	11.03.2024	13.03.2024	Manoj Pande	21
Total number of Participants						**411**

भविष्य की रणनीतियॉ/उद्देश्य/प्रशिक्षण गतिविधियों संबंधित जानकारियॉ

राज्य नगरीय विकास संस्थान राज्य नगरीय विकास संस्थान का Action Plan तैयार करना। राज्य नगरीय विकास संस्थान के अंतर्गत आगामी वर्ष के लिये शोध, प्रलेखन कार्य, प्रशिक्षण, भ्रमण के कार्य किये जायेगे एवं शहरी विकास निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन के

सहयोग से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जायेगी। उपरोक्त वर्णित लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रकोष्ठ द्वारा मुख्य रूप से निम्नांकित गतिविधियों का संचालन एवं क्रियान्वयन किया जा रहा हैः

- शहरी विकास तथा प्रबन्धन हेतु कार्यरत विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के क्षमता विकास को लक्षित करते हुए प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन एवं तद्नुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियोजन व संचालन।
- शोध कार्य जो क्षमता विकास तथा लोकहित से सन्दर्भित व सम्बन्धित हों।
- शहरी क्षेत्रों में हुये नवाचारों एवं Good Practices से Exposure Visit के माध्यम से राज्य के शहरी निकायों एवं विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं को अवगत करना।
- शहरी क्षेत्रों में चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन।
- आवश्यकता आधारित एवं लक्ष्य पूर्तिपरक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का विकास जिनमें ज्ञान व कौशल विकास के साथ ही अभिवृत्ति परिवर्तन भी समावेशित है।
- चतुर्मुखी व व्यवस्थापरक सिद्धान्त प्रशिक्षण कार्यशैली।
- शासन, कार्यदायी विभागों, संस्थाओं, संगठनों, स्थानीय निकायों, जनता तथा विषय विशेषज्ञों के मध्य परस्पर समन्वय कार्य तथा शासन व स्थानीय प्रशासन को नीति व रणनीति बनाने में अपेक्षानुसार सहायता/सलाह प्रदान करना।
- महिलाओं एवं शहरी गरीबों के सशक्तीकरण सम्बन्धी प्रयास तथा इनके विकास से सम्बन्धित कार्यक्रमों में भागीदार अधिकारियों व कार्मिकों के क्षमता संवर्धन हेतु प्रयास।
- राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शहरी विकास के क्षेत्र में किये जा रहे बेहतर व सफल प्रयासों का प्रलेखन व प्रसार।
- शहरी विकास से जुड़े हुये समस्त अधिकारियों को सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन पर कौशल प्रदान करना।

प्रशिक्षण गतिविधियों

का चार्ट निरूपण

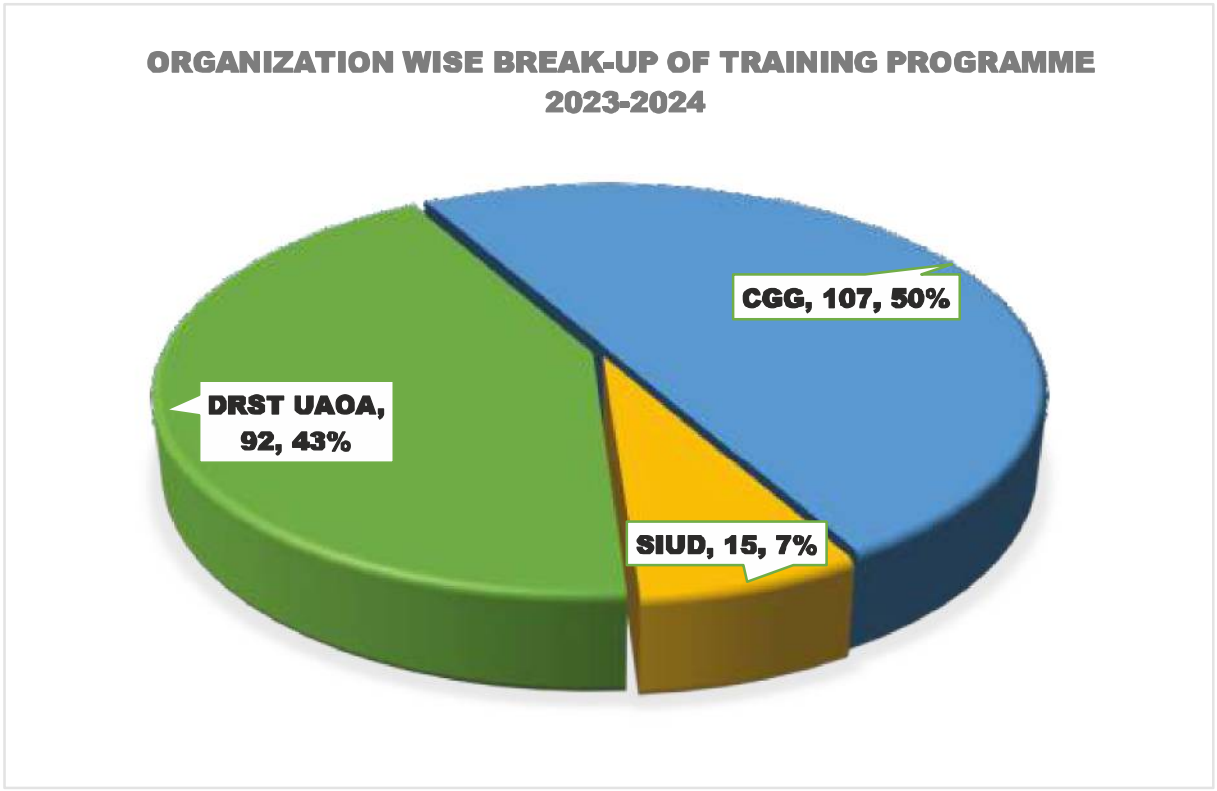
ORGANIZATION WISE BREAK-UP OF TRAINING PROGRAMME
2023-2024
CGG, 107, 50%
DRST UAOA, 92, 43%
SIUD, 15, 7%

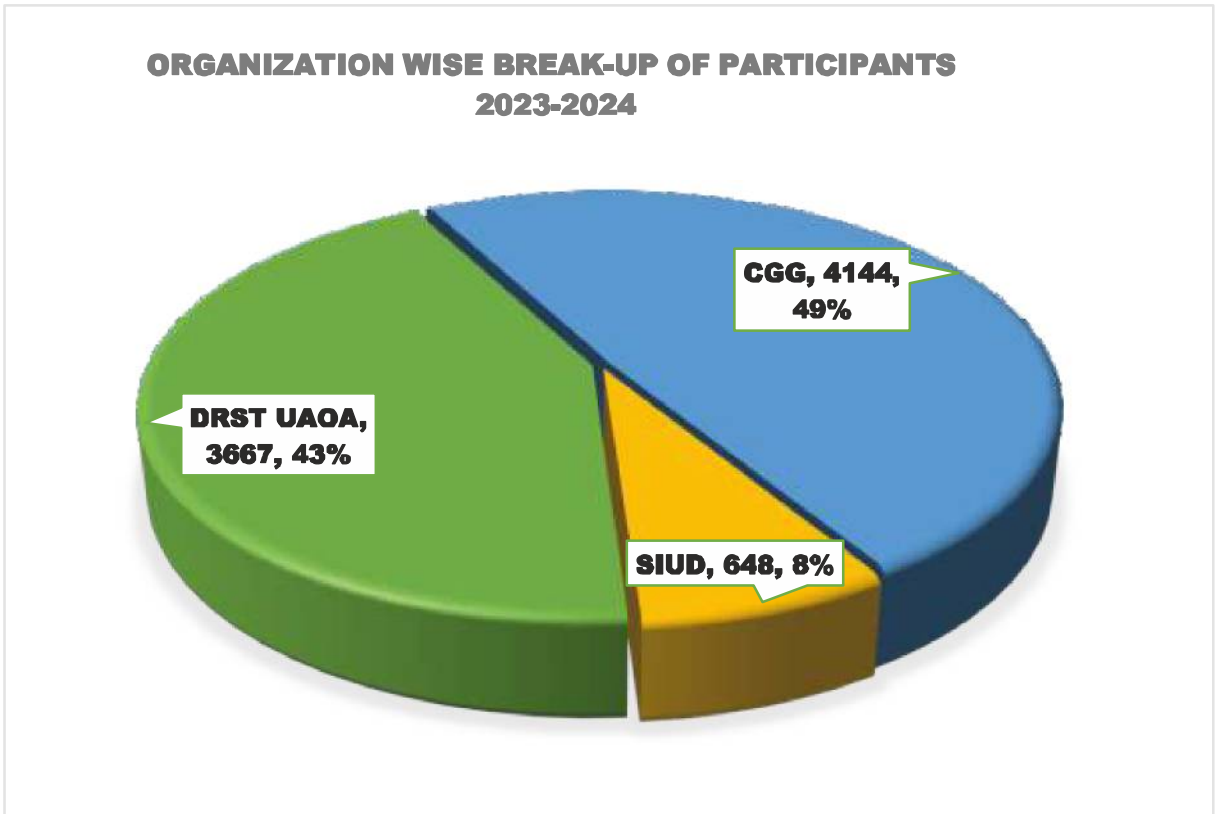
ORGANIZATION WISE BREAK-UP OF PARTICIPANTS
2023-2024
CGG, 4144, 49%
DRST UAOA, 3667, 43%
SIUD, 648, 8%

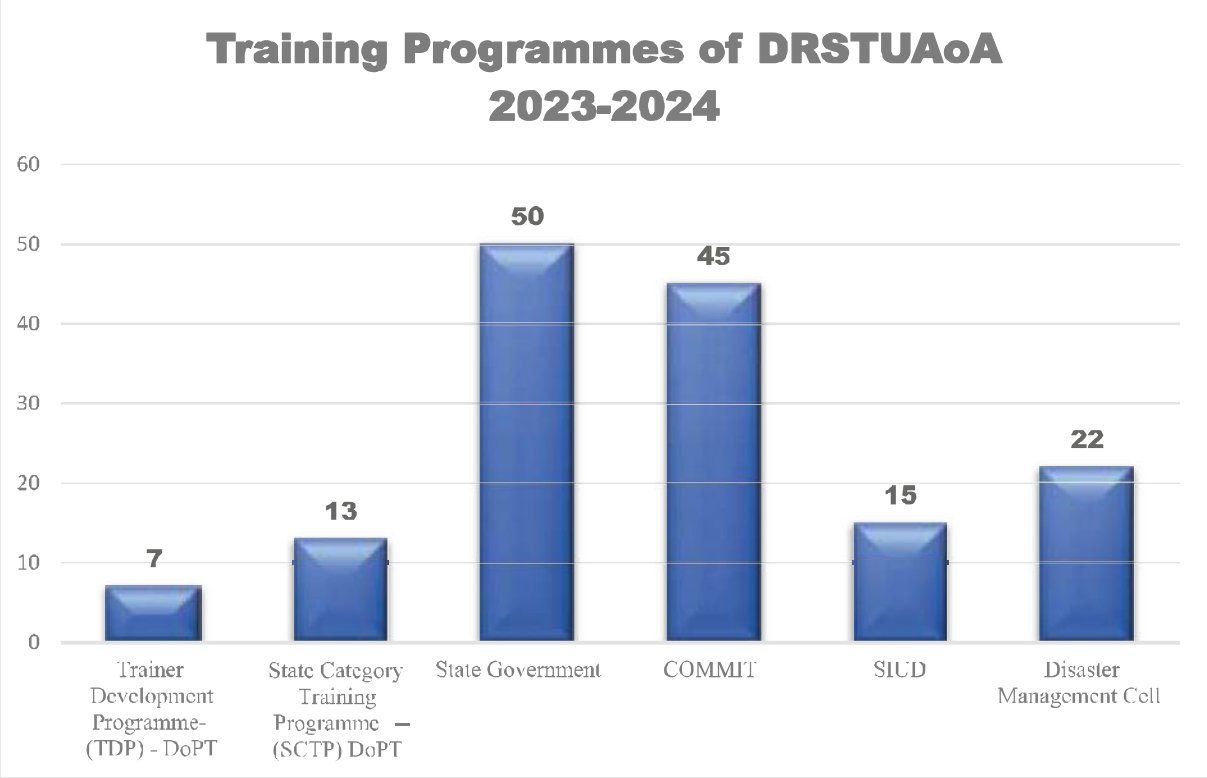
Training Programmes of DRSTUAoA 2023-2024
60
50
40
30
20
10
0
7
13
50
45
15
22
Trainer Development Programme- (TDP) - DoPT
State Category Training Programme – (SCTP) DoPT
State Government
COMMIT
SIUD
Disaster Management Cell

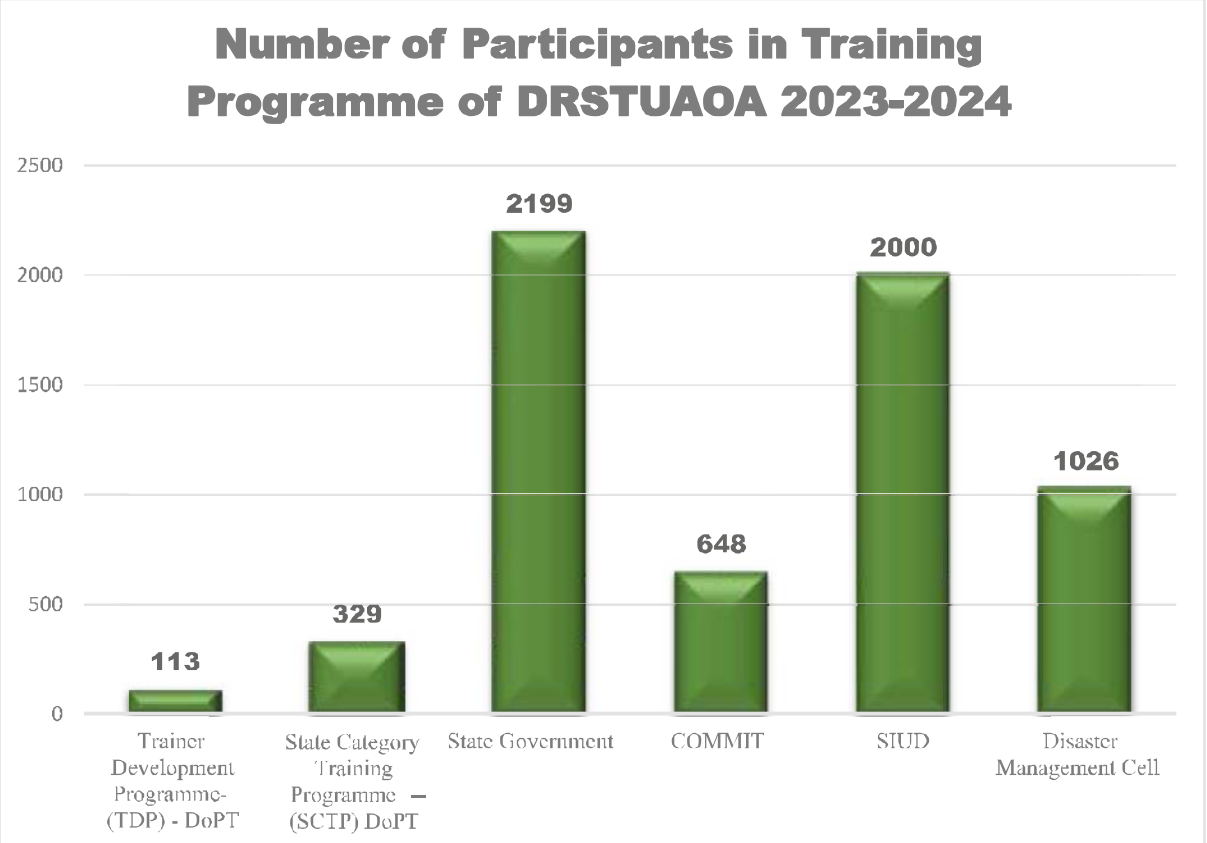
Number of Participants in Training Programme of DRSTUAOA 2023-2024
2500
2000
1500
1000
500
0
113
329
2199
648
2000
1026
Trainer Development Programme- (TDP) - DoPT
State Category Training Programme – (SCTP) DoPT
State Government
COMMIT
SIUD
Disaster Management Cell

Training Programmes of CGG
2023-2024
25
20
15
10
5
0
23
6
20
4
9
Documentation and Coordination Unit
E-Governance Cell
KRC-Water and Sanitation Unit
Gender Issues Cell
IPR-RTI Cell

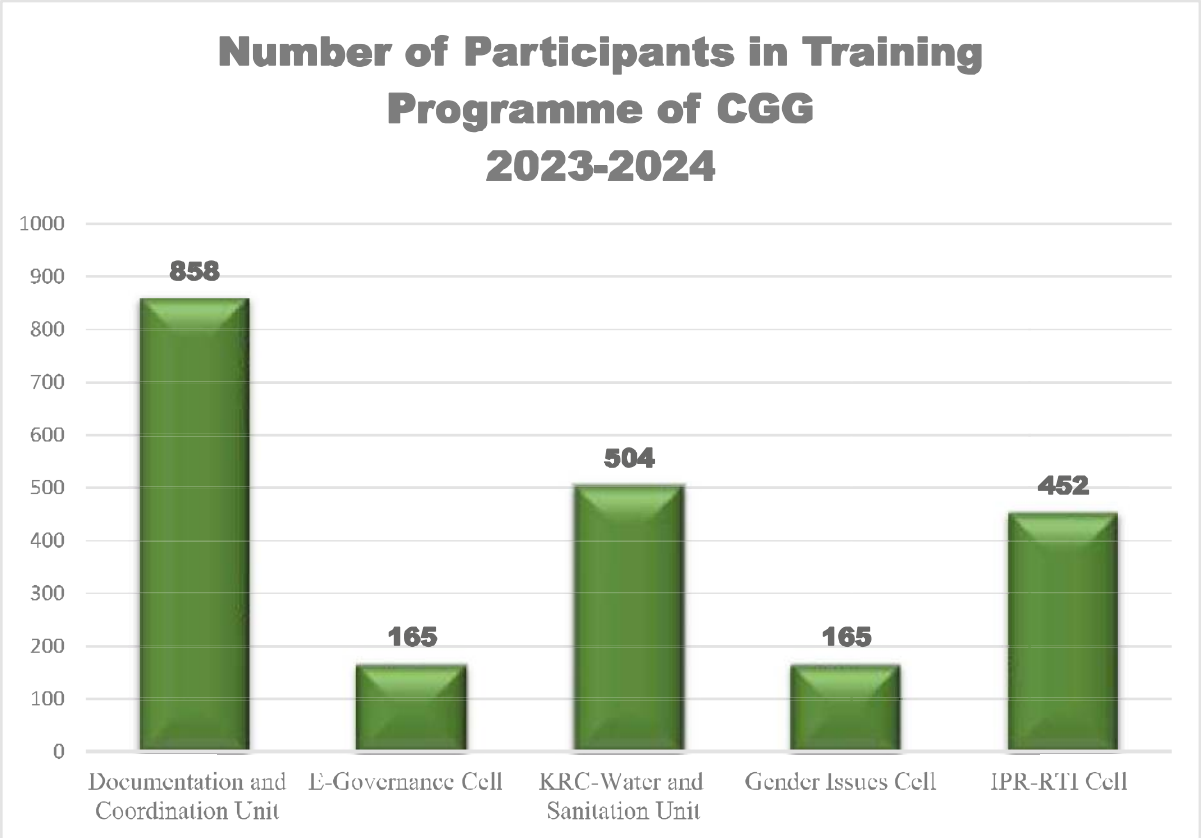
Number of Participants in Training Programme of CGG
2023-2024
1000
900
800
700
600
500
400
300
200
100
0
858
165
504
165
452
Documentation and Coordination Unit
E-Governance Cell
KRC-Water and Sanitation Unit
Gender Issues Cell
IPR-RTI Cell

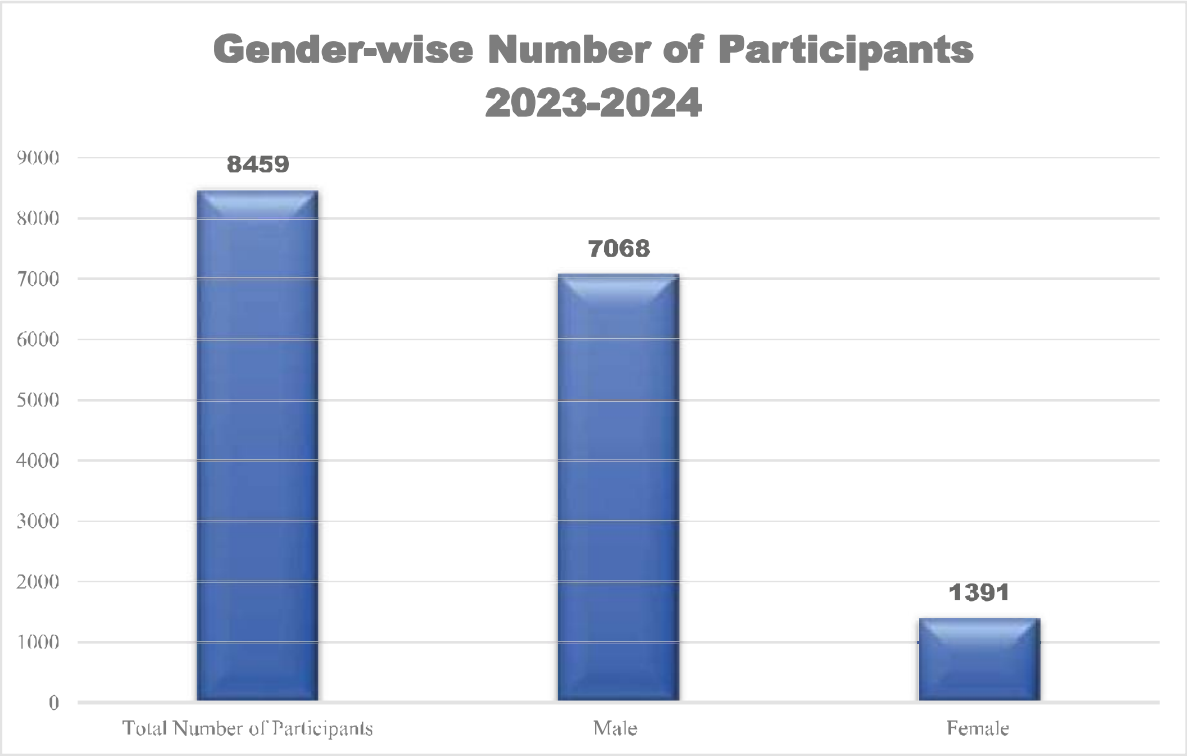
Gender-wise Number of Participants
2023-2024
9000
8000
7000
6000
5000
4000
3000
2000
1000
0
8459
7068
1391
Total Number of Participants
Male
Female

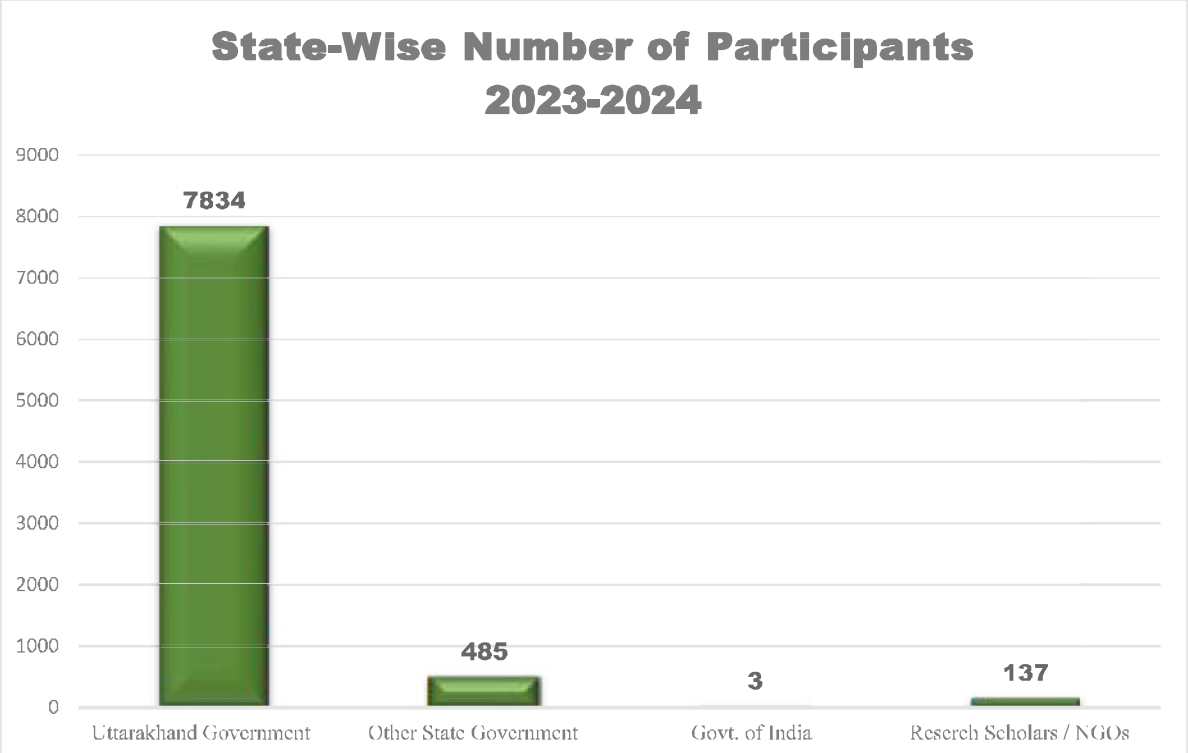
State-Wise Number of Participants
2023-2024
9000
8000
7000
6000
5000
4000
3000
2000
1000
0
7834
485
3
137
Uttarakhand Government
Other State Government
Govt. of India
Reserch Scholars / NGOs

वित्तीय वर्ष 2023-24

तथा

वर्तमान में अकादमी के

महानिदेशक एवं संकाय सदस्य

ACADEMY FACULTY

Mr. B.P.Pandey, IAS
(Retired)
Director General
Contact No. : (M) 05942-233477
directoracademy@hotmail.com

Tenure From 08.01.2022
To At present

Shri B. P. Pandey is an Retd. Indian Administrative Service (IAS) officer of 1983 of Uttarakhand Cadre (formerly UP Cadre). He holds a master's degree in Botany (Ecology) and an MBA degree. He has worked in various senior positions in Government of Uttar Pradesh (till 2000), Government of Uttarakhand (from 2001-2006) as well as in Government of India (from 2006-2013 and 2014-2017) such as District Magistrate, Chief Executive of State PSUs, Secretary in the States mainly in Department of Power, Forest and Environment, Agriculture, Cooperatives, Watershed Development, Taxation and Drinking Water etc. He has a wide experience in the field of Power Sector, Natural Resource Management (Land, Water, Forest, and watershed) and Rural Development. He has rich experience in formulation and implementation of externally funded projects (viz. World Bank, Asian Development Bank, and European Union) in the field of Watershed Management, Sodic-land Reclamation, Drinking Water & Sanitation, Management of Forest Resources and Hydro-electric Projects.

He has worked as Joint Secretary in Department of Chemicals & Petrochemicals and CVO in Power Sector CPSU's. He has also worked as Additional Chief Secretary, (Power and Commissioner Forest & Rural Development) Govt. of Uttarakhand (2013- 14) before joining back Government of India as Additional Secretary and Financial Adviser in the Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry and Ministry of Textiles in 2014.

He has been very closely associated with the Power Sector. He took over as Additional Secretary in Ministry of Power, Govt. of India, in August 2015. He has worked as Special Secretary in Ministry of Power, GOI, from August, 2016 to March, 2017 and looked after the work of Central Electricity Authority, Energy Conservation and Energy Efficiency, Hydro Power Development and matters relating to Policy & Planning, Training (NPTI) & Research (CPRI), International Cooperation etc., additionally also worked as DG, Bureau of Energy Efficiency & CMD, REC. Has been/is on the Board of Directors of Northern Coal Field (Coal India), UPCL, UJVN, PTCUL.

****

Mr. Prakash Chandra,PCS
Joint Director (Administration)
Contact No. : (M) 91-8958442401
prakashpcs2002@gmail.com

Tenure From 19.08.2021
To 16.12.2023

Born & brought up in remote District of Uttarakhand, Bageshwar. A postgraduate in Botany from Kumaun University, Pithoragarh Campus. As a member of first batch of Uttaranchal Civil Service (Executive Branch). He has served as Sub Divisional Magistrate in Champawat, Rudraprayag, Nainital Districts. Additional District Magistrate in Almora & Nainital, GM KMVN & GM Bajpur Sugar Mill. Chief Development Officer, Almora & Nainital District, Additional Director Industrial Training & Director Dairy Development, Uttarakhand. He pioneered Tea Tourism in Shyamkhet Tea Garden in Nainital and did immense work in Tourism Development during KMVN tenure.

****

Mr Chandra Singh Immlal, PCS
Joint Director (Administration)
Contact No. : (M) 91-9412923103

Tenure From 16.12.2023
To 13.02.2024

Postgraduate in Political Science from Kumaon University and P.G. Diploma in Disaster Management from Uttarakhand Open University. As a revenue officer join in 1994 and served as a revenue officer Dehradun, Udham Singh Nagar, Chamoli. He has allotted PCS 2007-08 batch, he has served as a Sub-Divisional Magistrate, Uttarkashi, Chamoli, Bageshwar, Nainital, Udham Singh Nagar, General Manager Sugar Mill Nadehi (Jaspur) and Bazpur, Deputy Commissioner, Sugarcane Department, Bazpur and Additional District Magistrate Bageshwar. He is presently serving as Joint director (Administration) in Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital from 16 December 2023.

****

Mohammad Nasir, PCS
Joint Director (Administration)
Contact No. : (M) 91-9456789555
nasirmohammad.pcs@gmail.com

Tenure	From	01.04.2024
	To	At present

Born at Jaspur in District Nainital, now in Udham Singh Nagar District. A postgraduate in Law & Sociology, Chemical Engineer with specialization in Rubber & Plastics. Served in Education, Technical Education and Jail department. Served in prominent Plastic Industries, as member of second batch of Uttarakhand Civil Services (Executive Branch), Served as Sub Divisional Magistrate. Special Land Acquisition officer, Mukhya Nagar Adhikari, City Magistrate, Assistant Relief Commissioner in Kedarnath Ji Disaster, Additional District Magistrate, Deputy Director (Rehab) in Tehri Garhwal District, Executive officer Uttarakhand Haj Committee, Additional Commissioner (State Tax in State Tax Department), Additional Chief Executive officer in Uttarakhand Khadi & Village Industries Board, Controller of Examination in Uttarakhand Public Service Commission, Joint Secretary in Uttarakhand Secretariat, Deputy Revenue Commissioner in Uttarakhand Board of Revenue, Director (Administration & Monitory), Chief Personal Officer, Chief Security Officer in Govind Ballabh Pant University of Agriculture & Technology Pant Nagar. Awarded best Officer cadet in Sampurnanand Jail Training Institute, National Level Master trainer for Election Commission of India, Awarded Excellence Service Award in Education Department, Awarded Excellence Service Award in Jail Department, Awarded Chief Minister Excellency Awarded in 2022.

****

Dr. Mahesh Kumar, PDS
Joint Director (Behavioural Science)
Contact No. : (M) 91- 9411159842
drmaheshkholi@gmail.com

Tenure	From	20.07.2023
	To	At present

Dr. Mahesh Kumar started his career in the Provincial Development service, a State civil service, as a Block development Officer. He has worked as District Development Officer, District Mission Manager, NRLM and Incharge Project Director, DRDA in different districts of Uttarakhand. He has been a key administrative functionary of important National Mission and Programmes and has immensely contributed as the State Project Coordinator, Mahatma Gandhi NREGA Cell Secretariat, Dehradun. He has also worked as Registrar, Kumaun University, Nainital for two years. Dr. Kumar has done his M.Sc. and Ph.D. degree in Horticulture from G.B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar. He did his bachelor's in agriculture from the same university. He has also done master's in social work in which he has been awarded the University Gold Medal. He is also having Post graduate Diploma in Rural Development and has also done his MBA from Uttarakahnd Open University. Beside all this, Dr Kumar has also qualified for the National Eligibility Test (NET) conducted by ICAR and has also published scientific and popular articles. His published work on Standardization of leaf sampling techniques in Bael (Aegle marmelos) has been widely accoladed. An accomplished Volleyball and hockey player, Dr Kumar owes his disciplined demeanor to the NCC training and the 'B" and "C" crtificates that he earned therein.

****

Mr. V.K. Singh
Deputy Director (Computer)
Contact No. : (M) 91- 9411107637
vivekkumarsingh@yahoo.com

Tenure	From	01.05.1993
	To	At present

Posted since May 1993 he has contributed as faculty for about 30 years. He has also served as Software Development Officer in UPTRON India Ltd., (U.P. Govt. Undertaking) Lucknow for about 2 years. He is a Recognized Trainer from Govt. of India for developing trainer skills. His areas of interest are Human Resource Development, Management, Organizational Behavior, Training of Trainers, and Information Technology. An M.Sc. in Physics from Meerut University, he has a Diploma in Computer Applications from NIIT, Lucknow and trained at Civil Service College, London (U.K.) for Total Quality Management in Training Institutes.

****

Ms Poonam Pathak
Deputy Director (Economics)
Contact No. : (M) 91-8394889144
pnm.pathak21@gmail.com

Tenure From 18.03.2024
To At Prasent

Postgraduate in Political Science She belongs to the first batch of Uttarakhand State Service, served as District Panchayat Raj Officer Champawat, Nainital, Bageshwar and Directorate of Panchayati Raj Uttarakhand. She has experience in working with Government of India in Ministry of Rural Development (MoRD) as Senior Mission Executive, National Rural Livelihoods Mission. During her tenure in MoRD she has extensively visited India for capacity building of SHGs and their support system and as a team member of mid -term Review Missions of The World Bank.

She has previously served in the Academy as Officer on Special Duty and Deputy Director. She is facilitated by the Honorable Governor of Uttarakhand for commendable work during her second tenure in Academy. Due to her work with Panchayati Raj Institutions; Ministry of Panchayati Raj, Government of India nominated her as a member of the two high level committees -

- To review National Capacity Building Framework
- Preparing Panchayat Development Index

She is the pioneer in implementing Panchayat Development Index in Uttarakhand.

Areas of Interest –Decentralization & Panchayati Raj, Rural Development, Gender, and Development, Right to Information, Right to Service, Registration of Birth and Death Act 1969, Service Law, Ethics and Values in Public Governance, Domestic Violence Prohibition Act 2005, Career Counseling, Localisation of SDGs, Convergence in planning, Panchayat Development Index, Participatory tools, Collectivization and micro finance, Capacity Building of SHGs and their support system.

****

Mr. Dinesh Kumar Rana
Deputy Director (Finance)
Contact No. : (M) 91-9997917888
dineshranafo@gmail.com

Tenure From 15.09.2011
To At present

Postgraduate in Sociology, joined the Uttarakhand State Financial Service in 2010 and has been a member of the Faculty since. Presently he is handling, Chief treasury Officer Nainital, and Finance Controller, Kumaun Mandal Vikas Nigam and also Deputy Director Finance Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration

His area of interest is State Finance Rule and Regulation.

****

Mr. Richanshu Sharma, UFS
Deputy Director (Finance)
Contact No. : (M) 7505673139
Email- richanshu786@gmail.com

Tenure From 31.07.2014
To At present

Post Graduate in Mathematics and Qualified NET-JRF. He has also completed his 2 years regular MBA (Fin. M.) from AJNIFM affilated to JNU. Inducted in state civil service (Finance Branch) in 2014. Served as a Treasury Officer Uttarkashi, Kotdwara, Senior Treasury Officer Champawat, Finance Controller Nagar Nigam, Kotdwar.
Recently he has joined as Deputy Director Finance at Academy as well as CFO, District level Dir. authority Nainital.

****

Mr. Sudhir Kumar,PCS
Deputy Director
Contact No. : (M) 8849144422
sudhir_tamta066@rediffmail.com

Tenure From 14.07.2022
To At present

Graduated in Mechanical Engineering. An Ex. Indian Navy Junior Commission Officer, Inducted in State Civil Service (Executive Branch) in 2017.
He served the State of Uttarakhand as Deputy Collector, Uttarkashi, Rudraprayag and Chamoli District. Hold charge of subdivision of Chamoli District as Sub Divisional Magistrate, Pokhari and Tharali. 14 July 2022 onward he is contributing his services as Deputy Director, Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital as incharge of sports, academy campus and other establishments.

****

Mrs Poonam Pant, PCS
Deputy Director
Contact No. : (M) 91 9760275578
poonamrayalpant0107@gmail.com

Tenure From 19.08.2023
To At present

She Graduated in science, post graduated in education. NET JFR. Inducted in the State Civil Services Examination (2013). She served as Tehsildar in Uttarkashi, Champawat, Nainital, Udham Singh Nagar. Since 19th August 2023, she has been giving her services as the Deputy Director, Dr. R.S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital.

****

Dr. Deepa Mehra Rawat
Assistant Director (Behavioural Science)
Contact No. : (M)8755678482
assistantdirati22@gmail.com

Tenure From 26.07.2022
To At present

She is a Ph.D. in political science from Kumoun University Nainital about Election Politices and Voting Behaviour in Uttarakhand (A study of Assembly Election 2002). She has started her career in Secondary Education as Assistant Teacher, Lecturer (political science). She served 11 years as a teacher's trainer at District Institute of Education and Training, Nainital. After that in 2021 she joined higher education as Assistant Professor (Political Science). Her Areas of interest are culture of Uttarakhand, women empowerment, Gender, Enviromental and political issues.

DISASTER MANAGEMENT CELL

Dr. Om Prakash
Associate Professor
Contact No.: (M) 9411107656
opnainital@yahoo.com

Tenure From 10.03.2022
To At present

A Ph.D. in Geography from Kamoun University, he joined Uttarakhand Academy of Administration, Nainital in the year 2001. Prior to this he has worked in various projects related to Disaster Management at Uttarakhand. He has a deep interest in various social issues of disaster, community-based disaster preparedness. He has varied experience around training at State Level & National Level. His Areas of Interest –Disaster Management and Capacity Building for Earthquakes.

****

Dr. Manju Pande
Assistant Professor,
Contact No. : (M) 91-8755745762
manjuku09@gmial.com

Tenure From 12.02.2014
To At present

She holds a Ph.D. in Geology (Metamorphic Petrology) and her fields of expertise are Technical and Management support in capacity building and Service Delivery in Disaster Management, Coordination and Grassroots Management and Development, formulation of strategy for Disaster Management Trainings and Sensitization Programs. Specialist of Search and Rescue Training Programmes, School Safety Programmes, Earthquake Resilient Building Techniques, Mason training Programme, Gender & Disaster Management & Psychosocial Issues & Challenges.

****

Ms. Priyanka Tyagi
Research Officer
Contact No. (M)- 7060670069
tyagi.geog2008@gmail.com

Tenure	From	21.11.2022
	To	31.03.2024

She has a Ph.D. from the Department of Geography, Kumaun University. She has done master's and B.A. (Hons.) in Geography from Kumaun University and Kirori Mal College, University of Delhi respectively. She has academic research experience of more than 6 years in various parts of Uttarakhand. She has worked as Project Associate at Institute of Disasters, Emergency and Accidents at New Delhi in which she prepared Disaster Management Plan of National Centre of Disease Control (NCDC), New Delhi. She has worked as Guest Faculty at Department of Geography, Bhaderwah Campus, and University of Jammu.

Centre for Good Governance

Mr. Manoj Pande
In-Charge: Urban Affairs
Contact No. : (M) 91-9897510978
manojpande64@gmail.com

Tenure	From	08.08.2016
	To	At present

B. Tech. (Chemical Engineer), from IIT Kharagpur, MBA in Human Resources (HR) with an experience of 30 years in the verticals of Operational Management, Quality Management and HR in a Central Public Sector Undertaking, he has a vide interest in capacity building Activities in the areas of Quality Management (SQC & TQM), soft skills, leadership, ethics & values, organization culture & teamwork. Besides HR he is also a trained faculty on e-governance and specializes in the area of Urban Development.

****

Dr. Anil Kumar Mishra
In-Charge: Gender Cell & KRC
Contact No. : (M) 91-9412052419
amishra12@yahoo.com

Tenure	From	01.06.2023
	To	At present

Dr. Anil Kumar Mishra holds Doctor of Philosophy (Ph.D) in Socioligy from the H. N.B. Garhwal University, Srinagar, Uttarakhand. He was working as Consultant, National Key Resource Centre, Water and Sanitation at National Institute of Administrative Research (NIAR), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie which was upgraded as National Centre for Good

Governance (NCGG), under the aegis of Department of Administrative Reforms & Public Grievances Govt. of India, Mussoorie since the last 11 years. Before joining the NCGG, he was working as Social Development Specialist at the Key Resource Centre, (Water & Sanitation) in the Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital. His major role in both the organizations has been to impart and coordinate various capacity-building training programmes on different aspects for civil servants. He has been associated as Scientist Fellow, with the G.B. Pant Institute of Himalayan Environment & Development, Kosi Katarmal, Almora MoEF & CC, Govt. of India. He is trained in Participatory Rural Appraisal, Community Mobilization and Participatory Management, Direct Training Skills, Design of Training and Training Need Assessment. He has been also a country delegate during various occasions in countries like Canada, Thailand and Nepal. He has more than 25 years of experience of teaching, training and research in field of social science, public policy, administration and good governance.

****

Ms. Ragini Tiwari
Conlultant- KRC
Contact No. : (M) 9870270400
raginitewari03@gmail.com

Tenure	From	26.07.2022
	To	At present

A postgraduate in Media Governance from Jamia Millia Islamia, New Delhi, has previously worked with the Presidents Secretariat New Delhi, Chief Minister's Office Uttarakhand, United Nations Development Programme and research organisations in the domain of citizen-centric initiatives and governance reforms. She has worked in the sectors of livelihoods, skilling, digital reforms, and communication and soft skills in various capacities and has keen interest in capacity building initiatives, change management and psychology.

****

प्रशिक्षण गतिविधियों

की कुछ झलकियाँ

48th Induction Training Programme for Medical Officers
10th April to 9th May, 2023

54th Induction Training Programme for Junior Engineer of PWD
22nd May to 20th June, 2023

49th Induction Training Programme for Medical Officers
3rd July to 1st August, 2023

50th Induction Training Programme for Medical Officers
18th September to 17th October 2023

51st Induction Training Programme for Veterinary Doctors
20th November to 19th December, 2023

Certification Programme for Assistant Returning Officers (ARO) for Lok Sabha General Election-2024 by Election Commission of India
11th to 16th December, 2023

TOT: Right to Information Act -2005
20th to 22nd November, 2023

GIS: Development and its Application in Governance
14th to 16th December, 2023

Training Program for Ayurvedic Pharmacist Working in Ayurvedic and Unani Department
18th to 20th December, 2023

School Safety Plan and Auditing
19th to 23rd June, 2023

Mentoring Skills
4th to 6th March, 2024

Training Programme for Officers of Panchayati Raj Department
10th to 12th January, 2024

21st Professional Course for IAS officers
19th June to 29th July 2023

13th Professional Course for IFS officers
19th June to 22nd July, 2023

3rd IPS Batch 2022 Training Programme
11th to 16th December, 2023

Development of Managerial/Technical Skills for Supervisors of ICDS
3rd to 6th January, 2024

Development of Managerial/Technical Skills for Supervisors of ICDS
27th to 30th December, 2023

Mental Health Coping Mechanism : Post Covid-19
29th to 31st May, 2023

Financial Management Including Pension & New Treasury System with NPS
8th to 12th January, 2024

Evaluation of Training
11th to 15th September, 2023

Direct Trainer Skills
11th to 15th September, 2023

Hon'ble Governor of Uttarakhand visit to Dr. R.S Tolia Uttarakhand Academy of Administration 24th May 2023

National Workshop on Climate Change Adaptation & Disaster Risk Reduction for Resilient Future
6th to 7th September, 2023

COMMIT: Training of Trainers (TOT)
4th to 6th December 2023

Training on Data Ecosystem : Survey, Design Research Methodology, Sample Selection
4th to 6th December, 2023

GIS: Development and its Application in Governance
14th to 16th December 2023

Direct Trainer Skills
4th to 8th March, 2024

Capacity Building & Training Programme for Group B'' Medical Officers of Homeopathic Department
15th to 20th January, 2024

Sevottam and Best Government Practices in Uttarakhand
22nd to 23rd January, 2024

Basics of Remote Sensing & GIS Application
22nd to 24th January 2024

E- Governance and E-office
29th to 31th January, 2024

Taxation & Tax Assessment in Urban Local Bodies (SIUD)
11th to 13th March, 2024

Exposure cum Training Programme for Administration Officers- Grade 1 of Madhya Pardesh
17th to 21st April, 2023

Orientation Training Programme for CAO's/AO's of District Administration
25th to 27th May, 2023

Training Programme for Assistant Gram Panchayat Vikas Officers
3rd to 7th July 2023

UNDP Workshop
10th to 13th July, 2023

TNA: Panchayati Raj
1st to 3rd August, 2023

Training Programme on Emotional Intelligence and Effective Self- Management
7th to 9th August, 2023

Storme Water Management & Urban Flooding and its Migration Strategies
21st to 23rd August, 2023

Capacity Building & Training (Homeopathic Department)
21st to 26th August, 2023

Gender Issues in Disaster Management
24th to 26th August, 2023

E Governance: Government Process Re Engineering Issues & Challenges
5th to 7th October,2023

Legal Protection of Human Rights
9th to 11th October,2023

Biomedical Waste Management (SIUD)
19th to 20th February, 2024

Source Sustainability Interventions: Effective Ground Water Recharge and Protection of Catchment Areas for Level-II 26th to 28th July, 2023	Change Management Approach in Rural Water Supply for Optimization of O&M for Level-II 4th to 6th September, 2023
Source Sustainability Interventions: Effective Ground Water Recharge and Protection of Catchment Areas for Level-II 12th to 14th October, 2023	Change Management Approach in Rural Water Supply for Optimization of O&M for Level-II 28th to 30th November, 2023
Impact of Climate Change on Water Availability: Challenges and Solutions for Level-I 22nd to 23rd February, 2024	Change Management Approach in Rural Water Supply for Optimization of O&M for Level-II 26th to 28th June, 2023

सूदूरवर्ती क्षेत्र हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद पिथौरागढ़ 14–16 दिसम्बर, 2023	Data Ecosystem: Survey Design, Research Methodology Sample Selection etc. 18th to 22nd December, 2023
Data Ecosystem: Survey Design, Research Methodology Sample Selection etc. 11th to 15th December, 2023	Training Program on Faculty Development 3rd October, 2023
Training cum Study Tour for Bihar Institute of Public Administration & Rural Development Officials 28th March to 2nd April, 2024	Training cum Study Tour for Bihar Institute of Public Administration & Rural Development Officials 11th to 16th March, 2024

Role of Information Education and Communications (IEC) in WASH 22nd to 24th December, 2024	Role of Information Education and Communications (IEC) in WASH 22nd to 24th December, 2024
Role of Soft Skills in Workplace 25th to 27th September, 2023	Springshed Rejuvenation and Sustainability Role of Participatory Approach Level-II 5th to 7th March, 2024
Springshed Rejuvenation and Sustainability Role of Participatory Approach for Level-II 15th to 17th February, 2024	Springshed Rejuvenation and Sustainability Role of Participatory Approach for Level-II 22nd to 24th January, 2024

Impact of Climate Change on Water Availability: Challenges and Solutions for Level-I
14th to 15th September, 2023

Disaster Management: Early Warning and Communication
18th to 20th September, 2023

Urban Risk Mitigation: Making Cities Resilience
19th to 21st October, 2023

Post Disaster Needs Assessment (PDNA): Disaster Recovery Practices
28th to 30 December, 2023

Basic of RS & GIS and Its Application
22nd to 24th January, 2024

Disaster Management: Incident Response System (IRS)
20th to 22 February, 2024

Use of Remote Sensing & GIS Application in Hazard and Vulnerability Mapping
20th to 22nd February, 2024

Disaster Management Awareness Programme: Disaster Risk Reduction,
22nd to 23rd June, 2023

Boards of Governors- Meeting
8th May, 2024

Evaluation of Training (EoT)
26th to 30th December, 2023

सूचना का अधिकार के अन्तर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
20–22 नवम्बर, 2023

सूचना का अधिकार के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद उधमसिंहनगर
06 जनवरी, 2024

Conclave Urbanization and Development in Fragile Mountain Ecosystems
5th to 6th April, 2023

SBM 2.0 and Preparation of City Sanitation Plan
22nd to 24th May, 2023

Managing Urban Rivers: From Planning to Practice
15th &16th June, 2023

Pre Study Stakeholders Workshop: Issues and Challenges Facing Nainital & Its Environs
21st June, 2023

Pre Study Stakeholders Workshop: Issues and Challenges Facing Pauri & Its Environs 24th June, 2023	Master Trainers Training on Green Economy 10th to 13th July, 2023
Pre Study Stakeholders Workshop: Issues and Challenges Facing Almora & Its Environs 18th August, 2023	Storm Water Management, Urban Flooding and its Mitigation Strategies 21st to 23rd August, 2023
Refresher RBM Cycle Training (GIZ) 4th to 6th September, 2023	Pre Study Stakeholders Workshop: Issues and Challenges Facing Champawat & Its Environs 21st September, 2023

The Role of Community Participation on Sustainable Solid Waste Management (Online)
25th to 27th September 2023

SBM-2.0 and Preparation of City Sanitation Action Plan
9th to 11th October, 2023

Pre Study Stakeholders Workshop: Issues and Challenges Facing Haldwani & Its Environs
27th October, 2023

Integrated Water Resource Development and Management with a special focus on Hilly Areas
2nd to 4th November, 2023

E-Governance & E Office
29th to 31st January,2024

Property Tax and Liquid & Solid Waste Management
5th to 6th March, 2024

E-Governance: Data Visualization & Open Data Concept
5th to 7th June, 2023

E-Governance: Emerging Technologies
24th to 26th August, 2023

E-Governance: Cloud Computing and Cloud Infrastructure
28th to 30th November, 2023

E-Governance: IT Act, Cyber Crime & Security Measures at Work Place
28th to 30th August, 2023

E-Governance: Framework & Initiatives
29th to 31st May, 2023

E-Governance: Government Process Re-Engineering
5th to 7th October, 2023

गढ़वाल मण्डल के सुपरवाईजरों हेतु प्रबंधकीय एवं तकनीकी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
29 नवम्बर से 02 दिसम्बर, 2023

गढ़वाल मण्डल के सुपरवाईजरों हेतु प्रबंधकीय एवं तकनीकी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
04 से 07 दिसम्बर, 2023

कुमाऊँ मण्डल के सुपरवाईजरों हेतु प्रबंधकीय एवं तकनीकी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
27 से 30 दिसम्बर, 2023

कुमाऊँ मण्डल के सुपरवाईजरों हेतु प्रबंधकीय एवं तकनीकी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
03 से 06 जनवरी, 2024

Child Centric Disaster Risk Reduction
5th to 9th June, 2023

Disaster Management : Early Warning and Communication
18th to 20th September, 2023

Mentoring Skills
17th to 19th August, 2023

Design of Training
21st to 25th August, 2023

Direct Training Skills
11th to 15th September, 2023

Evaluation of Training (EoT)
11th to 15th September, 2023

Exposure Cum Training Programme for Administrative Officers- Grade-1 of Madhya Pradesh
17th to 21th April, 2023

Training Programme for Assistant Gram Panchayat Vikas Officers
3rd to 7th July, 2023

TNA Panchayati Raj
1st to 3rd August, 2023

Training Programme for Homeopathic Doctors
11th to 16th September, 2023

Capacity Building & Training Programme for Group B" Medical officers of Homeopathic Department
16th to 21th October, 2023

Capacity Building training Programme for Employees of Transport Department-Uttarakhand
20th to 22nd November, 2023

Certification Programme for Assistant Returning Officer (ARO) for Lok Sabha General Election 2024 by Election Commission of India (Batch-I) 28th November to 2nd December, 2023	Executive Development Programme for AIR/Doordarshan (NABM) 28th November to 2nd December, 2023
Capacity Building Training Programme for Employees of Transport Department – Uttarakhand 28th to 30th November, 2023	Financial and Administrative Training for Pharmacists of Ayurvedic and Unani Services Department, Uttarakhand 8th to 10th January, 2024
Financial and Administrative Training for Pharmacists of Ayurvedic and Unani Services Department, Uttarakhand 22nd to 24th January, 2024	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 for UPCL Officers and Employees- Dehradun 2nd to 3rd February, 2024

Financial and Administrative Training for Pharmacists of Ayurvedic and Unani Services Department, Uttarakhand 12th to 14th February, 2024	Workshop on "Leadership Development" (UJVN) 26th to 28th February, 2024
Capacity Building Training Prgramme for Assistant Development officer 26th February to 1st March, 2024	Capacity Building Training Programme for Pharmacist of Homeopathic Department Uttarakhand 18th to 20th March, 2024
Right to Information Act- 2005 19th December, 2023	Right to Information Act- 2005 06th January, 2024

Design of Training 21st to 25th August, 2023	Training on Citizen Charter and Right to Service Act 9th to 11th August, 2023
Gender Issues in Disaster Management 24th to 26th August, 2023	Legal Protection of Human Rights 09th to 11th October, 2023
Integrated Water Resource Development and Management : With a Special Fouse on Hilly Towns 2nd to 4th November, 2023	Integrated Water Resource Development and Management : With a Special Fouse on Hilly Towns 2nd to 4th November, 2023

Effective Communication & Leadership Skills
20th to 22nd November, 2023

Financial Management Including Pension and New Treasury System with NPS
5th to 7th February, 2024

Orientation Training Programme for CAO's / AOs of District Administration
25th to 27th May, 2023

Startup Ecosystem and Self Entrepreneurship
24th to 26th April, 2023

Digital Literacy Workshop
5th July, 2023

Sensitization Programme on Sexual Harassment for Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013
6th July, 2023

Training Programme on Right to Information 2005 7th July, 2023	Training on Citizen Charter and Right to Service Act towards the achievement of Sevottam Goals 9th to 11th August, 2023
Design of Training 21st to 25th August, 2023	Training on Citizen Charter and Right to Service Act 9th to 11th August, 2023
Gender Issues in Disaster Management 24th to 26th August, 2023	Legal Protection of Human Rights 09th to 11th October, 2023

Integrated Water Resource Development and Management : With a Special Fouse on Hilly Towns
2nd to 4th November, 2023

Integrated Water Resource Development and Management : With a Special Fouse on Hilly Towns
2nd to 4th November, 2023

Effective Communication & Leadership Skills
20th to 22nd November, 2023

Financial Management Including Pension and New Treasury System with NPS
5th to 7th February, 2024

Orientation Training Programme for CAO's / AOs of District Administration
25th to 27th May, 2023

Startup Ecosystem and Self Entrepreneurship
24th to 26th April, 2023

Finance and Office Management
17th to 21st July, 2023

Birth and Death Registration Act and its Impact on Nation Building
16th to 17th October, 2023

Training on Citizen Charter and Right to Service Act towards the achievement of Sevottam Goals
9th to 11th August, 2023

Ethics & Values : Right Approach in Life
5th to 7th February, 2024

Disaster Management
18th October, 2023

Right to Information Act -2005
19th October, 2023

Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 & E- office
20th October, 2023

Right to Information & Right to Service
12th December, 2023

E-Governance (E-Office and IFMS)
13th December, 2023

Disaster Management and Sensitization on Sexual Harassment of Women at Workplace
14th December, 2023

Training on Citizen Charter and Right to Service
22nd to 24th February, 2024

Important Dimensions of Disaster Management (Outreach Almora)
26th & 27th June, 2023

Disaster Management Awareness Programme : Disaster Risk Reduction (Outreach Pithoragarh) 22nd & 23rd June, 2023	Use of Remote Sensing & GIS Application in Hazards and Vulnerability Mapping 20th to 22nd February, 2024
School Disaster Management Plan (Outreach Champawat) 18th & 19th July, 2023	Important Dimensions of Disaster Management (Outreach Nainital) 28th & 29th August, 2023
International Day for Risk Reduction : Art Competition for Children 10th October, 2023	Urban Disaster Risk Mitigation : Making Cities Resilience 19th to 21st October, 2023

Post Disaster Needs Assessment (PDNA): Disaster Recovery Practices 28th to 30th December, 2023	One Day workshop on Education and Child Protection in Disaster Management 2nd February, 2024
Child Centric Disaster Risk Reduction 29th January to 2nd February, 2024	Disaster Management : Incident Response System (IRS) 20th to 22nd February, 2024

For further details please contact / write to :
Coordinator, T.C.U.,
Dr. R.S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration
Ardwell Camp, Mallital, Nainital, Uttarakhand - 263001
Tel. : 05942-235011, 236068, 236149 Fax : 05942-237642
Website : www.uaoa.gov.in E-mail : tcu@uaoa.in